राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार 06 –नवम्बर–2023 वर्ष–6,अंक–286 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दुनिया में तूफान का दौर, एस जयशंकर ने बताया- भारत को क्यों चाहिए नरेंद्र मोदी जैसा प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर का कहना है कि जिस तरह के घटनाक्रम वैश्विक स्तर पर हो रहे हैं, उसे देखते हुए यह तूफान का दौर लगता है। इससे निपटने के लिए मजबूत नेतृत्व की जरूरत है। प्रधानमंत्री के विजन की सराहना करते हुए जयशंकर ने कहा कि आज देश समस्याओं को छेड़ता नहीं है। लीडरशिप समिट 2023 के अंतिम दिन शनिवार को विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा, दुनिया कठिन है और कठिन रहेगी। इसलिए आज हमें मजबूत नेतृत्व की जरूरत है। तैयारी की जरूरत है, व्यवस्थागत बदलाव की जरूरत है। उन्होंने वैश्विक घटनाओं का हवाला देते हुए कहा, हम एक तूफान के दौर में हैं। इसकी कोई गारंटी नहीं है कि यह बेहतर होगा। जयशंकर ने पिछले दशक में भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता और आत्मविश्वास में उल्लेखनीय वृद्धि का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत अधिक मुखर हो गया है। चुनौतियों से पीछे हटने की प्रवृत्ति अब नहीं है।

उन्होंने कहा, हम उस स्तर पर पहुंच गए हैं, जहां समस्या को नजरअंदाज नहीं करते हैं। उदाहरण के लिए, हमने इजराइल, सूडान और यूक्रेन में जो ऑपरेशन किए हैं। जब उस पैमाने की समस्या होती है, तो आज प्रतिक्रिया आगे बढ़ने की होती है। जयशंकर ने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के साथ भारत सरकार द्वारा उठाए गए महत्वपूर्ण कदम की चर्चा की। उन्होंने कहा, इस संवैधानिक परिवर्तन के दूरगामी प्रभाव हुए हैं। इसने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों स्तरों पर चर्चा को जन्म दिया है। उन्होंने कोविड महामारी के बहुमुखी प्रभावों से निपटने के लिए आवश्यक चुनौतियों और जटिल राजनयिक प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। जयशंकर ने कहा कि वैश्विक संकटों के त्वरित और प्राथमिक प्रतिक्रियाकर्ता के रूप में संयुक्त राज्य अमेरिका की पारंपरिक भूमिका परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। यह स्वयं अमेरिका स्वीकार करता है। उनका कहना है कि अपेक्षाओं में बदलाव आया है। इस मान्यता के साथ कि वैश्विक चुनौतियों से निपटने का बोझ राष्ट्रों के बीच एक साझा जिम्मेदारी है। जयशंकर ने कहा, हम प्रौद्योगिकियों और संचार के आधुनिक साधनों द्वारा सक्षम आतंकवाद के एक अलग स्तर को देख रहे हैं।

राम मंदिर, सर्जिकल स्ट्राइक... अमित शाह के तरकश से निकले कई तीर; सिंधिया के साथ भरी हुंकार

चुनाव प्रचार के दौरान अमित शाह भीड़ में मौजूद जनता से पूछते हैं- क्या आप 2024 में नरेंद्र मोदी को दोबारा प्रधानमंत्री बनाना चाहते हैं? फिर मध्य प्रदेश में भाजपा को वोट दें।

भोपाल। मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी सत्ता में वापसी के लिए संघर्ष करती दिख रही है। अधिकांश सर्वे में कांग्रेस को बढ़त मिलती दिख रही है। हालांकि, भाजपा के चाणक्य और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने खुद को चुनाव प्रचार में झोंक दिया है। जनसभाओं को संबोधित करने के दौरान वे एक पर एक सियासी तीर चला रहे हैं। चुनाव प्रचार के दौरान वह भीड़ में मौजूद जनता से पूछते हैं- क्या आप 2024 में नरेंद्र मोदी को दोबारा प्रधानमंत्री बनाना चाहते हैं? फिर मध्य प्रदेश में भाजपा को वोट दें। आपको बता दें कि शनिवार को अमित शाह मध्य प्रदेश के ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में थे, जो भाजपा के लिए काफी महत्वपूर्ण है।

अमित शाह के भाषणों में राम मंदिर के उद्घाटन की तारीख की घोषणा करने से लेकर पाकिस्तान में सर्जिकल स्ट्राइक का जिक्र रहता है। अमित शाह अपनी पार्टी को इस क्षेत्र में बढ़त दिलाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

रैली के दौरान अमित शाह महिलाओं की ओर देखते हैं और उनसे कहते हैं कि अगर कमलनाथ सत्ता में आए तो सीएम लाडली बहना योजना का पैसा बंद कर देंगे। भाजपा 2018 में इस क्षेत्र की 34 सीटों में से केवल आठ सीटें जीत सकी, जिससे वह बहुमत के आंकड़े से कांग्रेस से पीछे रह गई थी।

उस समय इस क्षेत्र के कांग्रेस स्टार रहे ज्योतिरादित्य सिंधिया अब बीजेपी के साथ हैं। सिंधिया शनिवार को अमित शाह के साथ ग्वालियर से उनकी विभिन्न सार्वजनिक रैलियों और रथ सभाओं में शामिल थे। अमित शाह के बोलने से पहले वह एक जोशीला भाषण देते हैं और भीड़ को नारे लगाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। बीजेपी यहां सिंधिया की अपील का इस्तेमाल अपनी किस्मत बदलने के लिए कर रही है। अमित शाह सिंधिया के बारे में चमक-दमक के साथ बोलते हैं और उनका हमला राहुल गांधी और कमलनाथ पर होता है। वह उन्हें राहुल बाबाऔर भ्रष्टाचार नाथ कहते हैं।

अमित शाह ने एक रैली के दौरान कहा, राहुल बाबा कहते थे कि हम मंदिर वहीं बनाएंगे लेकिन

तारीख नहीं बताएंगे। मैं राहुल बाबा को बताना चाहता हूं कि मंदिर का उद्घाटन अगले साल 22 जनवरी को पीएम नरेंद्र मोदी करेंगे।%% उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस ने इस मामले को लटकाए रखा। लेकिन पीएम मोदी ने इसे सुलझा लिया है।

अमित शाह के भाषणों में चंद्रयान से लेकर कोविड के खिलाफ टीकाकरण तक का जिक्र होता है। उन्होंने लोगों से पूछा कि क्या उन्हें नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की उपलब्धियों पर गर्व है या नहीं। शाह ने पिछोर में एक रैली में भीड़ से हंसते हुए कहा, राहुल बाबा ने हमारे टीके की आलोचना की, लेकिन फिर चुपचाप चले गए और दोनों डोज ले लिए।÷

अमित शाह ने शनिवार को चार सार्वजनिक रैलियां कीं और लोगों से जुड़ने के लिए भाजपा रथ में 40 किमी से अधिक की यात्रा की। इससे पहले वे संगठनात्मक बैठकों के लिए मध्य प्रदेश के तीन दिवसीय दौरे पर आए थे। दिन की आखिरी रैली ग्वालियर शहर में थी। उन्हें और सिंधिया को सुनने के लिए भारी भीड़ उमड़ी थी।

राजस्थान विस चुनाव : कांग्रेस के 23 उम्मीदवारों की छठी सूची जारी

जयपुर। राजस्थान विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने 23 उम्मीदवारों छठी सूची जारी की है। जयपुर की हवामहल सीट से जलदाय मंत्री महेश जोशी का टिकट कट गया है। भरतपुर सीट कांग्रेस ने आरएलडी के लिए छोड़ दी है। यहां से कांग्रेस अपना उम्मीदवार नहीं उतारेगी। यह लगातार दूसरी बार है, जब भरतपुर सीट को आरएलडी को दिया गया है। हवामहल से महेश जोशी के स्थान पर आरआर तिवाड़ी को मैदान में उतारा गया है। जोशी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेहद नजदीकी माने जाते हैं। छठी सूची में कई नये चेहरों को मौका दिया गया है। कांग्रेस ने पहली सूची में 33, दूसरी में 43, तीसरी सूची में 19, चौथी सूची में 56 और पांचवीं सूची में पांच प्रत्याशियों की घोषणा की गई थी। अब तक कांग्रेस के 200 विधानसभा सीटों में से 179 सीटों पर प्रत्याशी घोषित हो चुके हैं। अब 21 सीटों पर घोषणा बाकी है। जारी सूची के अनुसार सांगरिया से अभिमन्यू पूनिया, भाद्रा से अजित बेनीवाल, डूंगरगढ़ से मंगलराम गोदारा, पिलानी से पितराम काला, दांतारामगढ़ से वीरेंद्र सिंह, शाहपुरा से मनीष यादव, चौमूं से डॉ. शिखा मील बराला, आमेर से प्रशांत शर्मा, जमवारामगढ़ से गोपाल लाल मीणा, हवामहल से आरआर तिवाड़ी, विद्याधर नगर से

सीताराम अग्रवाल, अलवर शहर से अजय अग्रवाल, भरतपुर आरएलडी के लिए रिक्त छोड़ी गई, यहां से सुभाष गर्ग चुनाव लड़ सकते हैं। मालपुरा से घासीलाल चौधरी, मेड़ता से शिवरतन वाल्मीकि, फलोदी से प्रकाश छंगानी, लोहावट से किशनाराम बिश्नोई, शेरगढ़ से मीना कंवर, सूरसागर से शहजाद खान, आहोर से सरोज चौधरी, चोरासी से ताराचंद भागोरा, भीलवाड़ा से ओम नारायणीवाल और लाडपुरा से नैमुद्दीन गुड्डू को प्रत्याशी बनाया गया है।

यूपी से बंगाल तक दरार ही दरार, 2024 में कैसे लगेगी INDIA की नैया पार?

नई दिल्ली। 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ तैयार विपक्षी एकता में पश्चिम बंगाल से लेकर उत्तर प्रदेश तक तालमेल की स्थिति नहीं दिख रही है। पहले लेफ्ट ने टीएमसी के साथ बंगाल में किसी भी तरह का समझौता करने से इनकार कर दिया। वहीं, उत्तर प्रदेश के नए नवेले कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के आने के बाद समाजवादी पार्टी के साथ कांग्रेस की दूरी लगातार बढ़ती दिख रही है। नया विवाद तब खड़ा हुआ जब, सपा को झटका देते हुए लखीमपुर खीरी से तीन बार के सांसद और प्रमुख कुर्मी (ओबीसी) नेता रवि प्रकाश वर्मा ने पार्टी छोड़ दी है। वह अब कांग्रेस में शामिल होने के लिए तैयार हैं। आपको बता दें कि मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे को लेकर कांग्रेस के साथ सपा की हालिया खींचतान के बाद यह एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। रवि प्रकाश वर्मा ने अपनी 33 वर्षीय बेटी पूर्वी वर्मा के साथ सपा छोड़ी है। दोनों ने दावा किया कि उन्हें यह निर्णय लेने के लिए मजबूर किया गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि अखिलेश यादव के नेतृत्व वाली पार्टी जमीन पर लोगों से अलग हो गई है। अपनी स्थापना के सिद्धांतों से भटक गई है। ये दोनों सोमवार को कांग्रेस में शामिल होंगे।

यूपी में बड़े कुर्मी नेता हैं रवि वर्मा

रवि प्रकाश वर्मा का सपा से बाहर जाना

महत्वपूर्ण है क्योंकि वह राज्य में एक जाने माने कुर्मी नेता हैं। एक प्रमुख राजनीतिक परिवार से आते हैं। उनके पिता बालगोविंद वर्मा लखीमपुर खीरी से चार बार सांसद रहे। वे इंदिरा गांधी कैबिनेट में मंत्री भी थे। 1980 में बालगोविंद की मृत्यु के बाद उनकी पत्नी उषा ने उसी निर्वाचन क्षेत्र से तीन बार चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। बाद में रवि प्रकाश वर्मा ने इस सीट से तीन बार जीतकर उनकी राजनीतिक विरासत संभाली।

2014 के लोकसभा चुनाव में वर्मा को लखीमपुर खीरी में अजय मिश्रा टेनी ने हराया था। वहीं, पूर्वी को भी 2019 में इसी सीट से हार का सामना करना पड़ा था। पूर्वी ने इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि, मैं अखिलेश यादव के कामकाज से प्रभावित होकर राजनीति में आई थी, लेकिन अब यह कहते हुए दुख हो रहा है कि समाजवादी पार्टी समाजवाद के मूल मूल्य से भटक गई है।

खड़गे-प्रियंका से भी मीटिंग

कांग्रेस के साथ अपने परिवार के पुराने संबंधों का जिक्र करते हुए पूर्वी ने अपने कदम को घर वापसी बताया। सूत्रों ने कहा कि वे पहले ही अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे और एआईसीसी महासचिव प्रियंका गांधी से मिल चुके हैं। कुछ कांग्रेस नेताओं ने दावा किया कि सपा के और भी नेता उनके संपर्क में हैं, जो जल्द ही पार्टी में शामिल हो सकते हैं।

मराठाओं को आरक्षण देने के लिए दृढ़ है महाराष्ट्र सरकार : शिवसेना

मुंबई। शिवसेना (शिंदे समूह) की प्रवक्ता ज्योति वाघमारे ने कहा कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार मराठाओं को आरक्षण देने के लिए दृढ़ है और इसके लिए युद्ध स्तर पर काम कर रही है। उन्होंने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए हैं कि मराठा समुदाय को संविधान और कानून के अंतर्गत आरक्षण मिले।

उन्होंने कहा कि सरकार सिर्फ एक समिति बनाकर और कुनबी रिकॉर्ड इकट्ठा करके नहीं रुकेगी, बल्कि सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति संदीप शिंदे समिति के प्रगति की साप्ताहिक समीक्षा करेगी। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही मुख्यमंत्री

ने मराठा उद्यमियों को ऋण का आवंटन बढ़ाने का निर्देश दिया है।

उन्होंने कहा कि सरकार मराठा समुदाय की महिला उद्यमियों को भी सशक्त बनाएगी। सुश्री वाघमारे ने आगे कहा कि आज मंत्री संदीपन भूमरे और अनिल सावे ने मनोज जरंगे पाटिल से मुलाकात की और उन्हें नए जीआर की एक प्रति दी, जिसपर श्री पाटिल ने अपना संतोष व्यक्त किया।

बीजेपी से बोले फारूख अब्दुल्ला

विपक्ष को जिंदा रहने दो, विपक्षी नेताओं पर ईडी की रेड को लेकर कहा- डेमोक्रेसी के लिए मजबूत विपक्ष जरूरी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी देश में डर का माहौल बना रही है। इस देश का लोकतंत्र मजबूत बना रहे, उसके लिए भाजपा को विपक्ष को जिंदा रहने देना होगा। फारूक अब्दुल्लाह ने ED की तरफ से विपक्षी नेताओं पर की जा रही लगातार रेड को लेकर यह बात कही। उन्होंने कहा कि भाजपा डर का माहौल बना रही है, एक दिन उसके साथ भी ऐसा व्यवहार किया जाएगा। अगर उन्हें वाकई लोकतंत्र चाहिए तो उन्हें विपक्ष को जिंदा रहने देना होगा। विपक्ष की हत्या करके देश मजबूत नहीं होगा।

फारूक अब्दुल्लाह का ये बयान ऐसे वक्त पर आया है जब विपक्षी के कई नेताओं पर

भाजपा डर का माहौल बना रही है, एक दिन उसके साथ भी ऐसा व्यवहार किया जाएगा। अगर उन्हें वाकई लोकतंत्र चाहिए तो उन्हें विपक्ष को जिंदा रहने देना होगा। विपक्ष की हत्या करके देश मजबूत नहीं होगा।

ED और CBI की रेड जारी है। गुरुवार 2 नवंबर को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को ED ने शराब नीति केस में पूछताछ के लिए बुलाया था। इस केस में दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया और सांसद संजय सिंह पहले से जेल में हैं।

छत्तीसगढ़ सीएम पर लगा मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप

4 नवंबर पर प्रवर्तन निदेशालय ने कहा है कि महादेव सट्टेबाजी ऐप के प्रमोटरों ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को 508 करोड़ रुपए का भुगतान किया था। ED ने यह दावा गुरुवार को गिरफ्तार किए गए कैश कूरियर असीम दास के हवाले से किया है। साथ ही ED ने कहा है कि अब इसकी जांच की जा रही है। इसे लेकर भूपेश बघेल ने कहा कि भाजपा मुझसे सबसे ज्यादा डरती है। इसलिए ED के जरिए मुझ पर आरोप लगाकर मुझे बदनाम करने की कोशिश कर रही है।

दिल्ली में प्रदूषण के कारण प्राइमरी स्कूल 10 नवंबर तक बंद, क्लास 6 से 12वीं तक चलेंगी ऑनलाइन क्लास

नई दिल्ली। दिल्ली में दिन-प्रतिदिन प्रदूषित होती हवा ने स्थिति और गंभीर बना दी है। हालात को देखते हुए हरकत में आई दिल्ली की केजरीवाल सरकार ने राजधानी के सभी प्राइमरी स्कूल 10 नवंबर तक बंद रखने का आदेश दिया है। वहीं, क्लास 6-12वीं तक के स्कूलों के लिए ऑनलाइन क्लासें शुरू करने का ऑप्शन दिया है। दिल्ली की शिक्षा मंत्री आतिशी ने रविवार को ट्वीट किया, चूंकि प्रदूषण का स्तर लगातार अधिक बना हुआ है, इसलिए दिल्ली में प्राइमरी स्कूल 10 नवंबर तक बंद रहेंगे। क्लास 6-12वीं के लिए स्कूलों को ऑनलाइन क्लास में शिफ्ट करने का विकल्प दिया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, दिल्ली में

हवा की प्रतिकूल स्थितियों और हवाओं के शांत रहने के बीच रविवार को भी लगातार छठे दिन जहरीली धुंध छाई रही और वायु गुणवत्ता सूचकांक(एक्यूआई) अति गंभीर श्रेणी में पहुंच गया। दिल्ली में शनिवार शाम 4 बजे एक्यूआई 415 दर्ज किया गया, जो रविवार सुबह 7 बजे और खराब होकर 460 पर पहुंच गया।

एनसीआर में एक्यूआई के 450 के पार पहुंच जाने पर केंद्र की वायु प्रदूषण नियंत्रण योजना को लागू किया जाना अनिवार्य है, जिसके तहत प्रदूषण फैलाने वाले ट्रकों, चार पहिया वाले कॉमर्शियल वाहनों और सभी प्रकार के निर्माण कार्यों पर प्रतिबंध लगाने के साथ आपातकालीन कदम उठाए जाते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा निर्धारित पांच माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर की सीमा के मुकाबले दिल्ली में पीएम 2.5 की सांद्रता 80 से 100 गुना दर्ज की गई है। बीते सप्ताह से दिल्ली-एनसीआर में तापमान में धीरे-धीरे गिरावट होने, प्रदूषण में सहायक शांत हवा की उपस्थिति और पंजाब तथा हरियाणा में पराली जलाने से वायु गुणवत्ता बहुत खराब हुई है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक, 27 अक्टूबर से 3 नवंबर के बीच दिल्ली का एक्यूआई 200 से अधिक अंकों तक बढ़ गया है, जो शुक्रवार को %अति गंभीर% श्रेणी (450 से ऊपर) में पहुंच गया। 24 घंटे का औसत एक्यूआई हर दिन शाम 4 बजे दर्ज किया जाता है। दिल्ली में शुक्रवार को बीते 24 घंटे का औसत एक्यूआई 468 दर्ज किया गया जो 12 नवंबर, 2021 को दर्ज 471 के बाद सबसे प्रदूषित दिन रहा।

दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति के एक विश्लेषण के अनुसार, पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने की घटनाओं में बढ़ोतरी से राजधानी में एक नवंबर से 15 नवंबर तक प्रदूषण उच्च स्तर पर होता है।

दुनिया के राजधानी शहरों में दिल्ली की वायु गुणवत्ता सबसे खराब है। शिकागो विश्वविद्यालय के ऊर्जा नीति संस्थान (ईपीआईसी) की ओर से अगस्त में जारी एक रिपोर्ट में कहा गया था कि वायु प्रदूषण दिल्ली के लोगों की उम्र लगभग 12 साल कम कर रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

डेटा में सेंधमारी

देश के नागरिक सरकारी एजेंसियों के सुरक्षा उपायों पर भरोसा करके अपनी निजी संवेदनशील जानकारी विभिन्न सरकारी सुविधाओं की जरूरत के लिये उपलब्ध कराते हैं। विभिन्न योजनाओं के लिये अनिवार्य रूप से निजी जानकारी उपलब्ध कराने को लेकर गाहे-बगाहे बहस चलती रहती है कि क्या अपनी निजी व गोपनीय जानकारी सरकार की किसी योजना हेतु देने की बाध्यता है। कुछ लोग इसे निजता में अतिक्रमण मानते हैं। इसकी एक आशंका यह भी रही है कि ऑनलाइन सेवाओं व सुविधाओं के विस्तार के बाद नागरिकों के डेटा की फुलप्रूफ सुरक्षा की गारंटी नहीं दी जा सकी है। नागरिकों की यह आशंका उस समय हकीकत में घटित होती दिखी जब अमेरिका की साइबर सिक्योरिटी फर्म रिसिक्योरिटी ने दावा किया कि करीब 81.5 करोड़ भारतीय नागरिकों की निजी जानकारी बदनाम डार्क वेब पर बिक्री के लिये उपलब्ध है। कहा जा रहा है कि कोविड टीकाकरण के पंजीकरण के लिये भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद द्वारा नागरिकों के आधारकार्ड के जरिये यह निजी जानकारी जुटाई गई थी। बताया जाता है कि कथित तौर पर यह जानकारी कोविड-19 के टीकाकरण रिकॉर्ड से निकाली गई है। निस्संदेह इस खबर ने भारतीय नागरिकों के निजी डेटा की सुरक्षा और गोपनीयता को लेकर चिंता बढ़ा दी है। यह जांच का विषय है कि कैसे इतने बड़े पैमाने पर नागरिकों का डेटा हैकरों द्वारा उड़ा लिया गया। इस गंभीर मामले की तह तक जाने की जरूरत है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि अमेरिकी फर्म की यह रिपोर्ट भारत सरकार द्वारा डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण कानून लागू करने के कुछ ही माह बाद आई है। यह कानून डिजिटल व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा के अधिकार को सुनिश्चित करता है। आज यह जरूरी है ताकि देश में डेटा की चोरी व छेड़छाड की तमाम घटनाओं पर अंकुश लग सके। यह हमारी चिंता का विषय होना चाहिए कि वर्ष 2022 में दुनियाभर में डेटा के दुरुपयोग के जो 2.29 बिलियन मामले दर्ज किये गये, उनमें से 20 फीसदी मामले भारत में सामने आए। इससे पहले भी जून में मीडिया में कुछ रिपोर्टें प्रकाशित हुई थीं, जिसमें कहा गया था कि कोरोना महामारी के दौरान सुव्यवस्थित टीकाकरण व कोरोना के रोगियों के उपचार के लिये स्वास्थ्य मंत्रालय का जो पोर्टल को-विन तैयार किया गया था, उसमें से लोगों की संवेदनशील जानकारी में सेंधमारी की गई है। तब मीडिया की इन रिपोर्टों को केंद्र सरकार ने खारिज कर दिया था। निस्संदेह, भारत में डेटा सुरक्षा सुनिश्चित करने को हमें अभी लंबा रास्ता तय करना है। दरअसल, हैकर इस मामले में सरकारी सुरक्षातंत्र को छकाने में कामयाब रहते हैं। निश्चित रूप से डेटा चुराने की जांच के अतिरिक्त भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम यानी सीईआरटी-इन को साइबर सुरक्षा समाधान प्रदान किया जाना चाहिए। ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति पर रोक लगाई जा सके। हमारे नागरिक, जो बिना किसी संदेह के सार्वजनिक व निजी एजेंसियों के साथ अपना व्यक्तिगत विवरण साझा करते हैं उन्हें व्यक्तिगत पहचान की चोरी, ऑनलाइन धोखाधड़ी और साइबर अपराधों के अन्य रूपों से व्यापक सुरक्षा प्रदान करने की आवश्यकता है। उम्मीद की जानी चाहिए कि अमेरिकी एजेंसी रिसिक्योरिटी के अलर्ट के बाद नागरिकों के डेटा सुरक्षा के उपायों को गंभीरता से लिया जाएगा।

आज का राशीफल

मेष पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। मादक वस्तुओं का प्रयोग न करें। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृषभ व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। रचनात्मक प्रयास लाभप्रद होंगे। घर के मुखिया या संबंधित अधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें।

मिथुन दाम्पत्य जीवन में तनाव आ सकते हैं। कुछ व्यावसायिक समस्याएं आ सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। निजी संबंधों के मामले में अतृप्त महसूस करेंगे।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

सिंह जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कन्या सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजनाओं में कठिनता का अनुभव कर सकते हैं। विरोधी परास्त होंगे।

तुला पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें, इससे विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्य वश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन में व्यर्थ के तनाव आ सकते हैं। किसी रिश्तेदार के कारण स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। क्रोध में वृद्धि होगी। रिश्तों में सुधार हो सकता है। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

आश्वासन-गारंटियों के बीच झूलता लोकतंत्र

विश्वनाथ सचदेव

आश्वासन और गारंटी में क्या अंतर होता है? भारतीय राजनीति के संदर्भ में इस प्रश्न का एक ही उत्तर है-जब कोई राजनेता कुछ करने का आश्वासन दे अथवा किसी काम की गारंटी दे तो इसका अर्थ है कि या तो वह आपको मूर्ख समझता है या मूर्ख बना रहा है। जनता को भरमाने के लिए आश्वासनों के ढेर तो अक्सर लगाए जाते रहे हैं और अक्सर देश की जनता ने इन आश्वासनों को 'चुनावी जुमला' मात्र पाया है, पर अब हमारे चतुर राजनेताओं ने एक नया शब्द काम में लेना शुरू किया है -गारंटी। अब नेता 'गारंटी' दे रहे हैं कि जनता यदि उन्हें सत्ता सौंपती है तो वे उसके जीवन में फलां-फलां बदलाव ला देंगे। हमारे प्रधानमंत्री तो इस गारंटी के पूरा होने की गारंटी भी देते हैं। कानून की भाषा में गारंटी का सामान्य अर्थ तो यही है कि यदि गारंटी पूरी न हुई तो गारंटी देने वाला कुछ हर्जाना भरेगा। लेकिन आज तक किसी नेता को ऐसा कोई हर्जाना भरते हुए देखा तो नहीं गया, हां, ऐसे आश्वासनों और गारंटियों से मतदाता छला अवश्य जाता रहा है। सच बात तो यह है कि नेता भी जानते हैं कि वह जनता को झांसा दे रहे हैं और जनता भी समझती है कि उसे भरमाने की कोशिश हो रही है। रूसी नेता निकिता खुश्चेव ने एक बार कहा था, 'सब राजनेता एक से होते हैं, वे वहां भी पुल बनाने का आश्वासन दे सकते हैं जहां नदी ही न हो!' रूसी नेता ने शायद यह बात अपने देश के संदर्भ में कही हो, पर यह बात हमारे देश पर भी लागू होती है। आश्वासन दावे, वादे, गारंटियां आज हमारी राजनीति का एक अविभाज्य हिस्सा बन गये हैंज और चुनावी मौसम में तो इन सब की भरमार हो जाती है। न कोई नेता यह बताता है कि उसके पिछले वादों का क्या हुआ और न मतदाता यह पूछने की ज़रूरत समझता है कि पिछले वादे पूरे क्यों नहीं हुए और उनके वादों-आश्वासनों पर क्यों विश्वास किया जाये। पर शायद भीतर ही भीतर राजनेता यह समझने लगे हैं कि मतदाता में उनके प्रति अविश्वास बढ़ता जा रहा है। इसीलिए अब हमारे नेता आश्वासन नहीं देते, गारंटी देते हैं। हज़ारों-लाखों की उपस्थिति वाली सभाओं में छाती ठोक कर हमारे नेता गारंटियों की बौछार कर रहे हैं। वे यह भी मान रहे हैं कि वह जितना जोर से बोलेंगे जनता उनकी बात पर उतना ही ज़्यादा विश्वास करेगी! ज़ोर से बोलने की इस प्रतिस्पर्धा में कोई नेता पीछे नहीं रहना चाहता। वह यह भी मानकर चल रहा है कि जैसे पिछले आश्वासनों को आम जनता भूलती रही है, वैसे ही गारंटियों को भी भूल जायेगी। पर सवाल आश्वासनों और गारंटियों को याद रखने और भूलने का नहीं है, सवाल हमारी समूची राजनीति पर लगातार लग रहे सवालिया निशानों का है। हमारी समूची राजनीति आज कठघरे में है, हमसे जवाब मांग रही है कि हमने उसे यानी राजनीति को नेताओं के भरोसे ही क्यों छोड़ दिया है? क्यों हम ऐसे नेताओं की बात पर विश्वास कर लेते हैं जो या तो जनता को मूर्ख समझते हैं, या मूर्ख बनाते हैं? हर पार्टी का हर नेता सिद्धांतों और मूल्यों की दुहाई देता है, अपनी कमीज को दूसरे की कमीज से उजली बताने के दावे करता है। हकीकत यह है कि हमारी आज की राजनीति का सिद्धांतों-मूल्यों से कोई रिश्ता नहीं रह गया, और हकीकत यह भी है कि सारी कमीजें मैली हैं। हमारी राजनीति का यह हाल इसलिए हो गया है कि हमने इसे राजनेताओं के भरोसे छोड़ दिया--उन राजनेताओं के जिन्हें इस बात की तनिक भी चिंता नहीं रहती कि कल उन्होंने क्या बोला था, और आज क्या कह रहे हैं! कल जिस बात को ग़लत ठहरा रहे थे, आज वही बात उन्हें सही लगने लगती है। सच तो यह है कि राजनीतिक नफे-नुकसान के इस घटिया खेल में हमारे राजनेताओं ने जनता को अपनी चाल का मोहरा मात्र समझ लिया है। यह सही है कि कभी-कभी 'यह जनता है, सब जानती है' का स्वर भी सुनाई पड़ जाता है, पर कुल मिलाकर स्थिति यही बनी हुई है कि राजनेता जनता को अपने खेल का खिलौना समझते हैं। अब समय आ गया है कि जनता राजनेताओं के हाथों का खिलौना बने रहने से इंकार करे।

देश के मतदाता को इस बात को समझना ही होगा कि जनतांत्रिक व्यवस्था में राजनीति बहुत गंभीर मसला है, इसे नेताओं के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। जनता को समझना यह भी है कि उसे नेताओं की कथित गारंटियों के भरोसे नहीं, अपनी समझ के भरोसे अपने वोट का इस्तेमाल करना है। उसे देश के नेताओं से पूछना ही पड़ेगा कि उनकी कथनी और करनी में इतना अंतर क्यों है, और क्यों वह यह मानकर चल रहे हैं कि जनता को हमेशा मूर्ख बनाया जा सकता है। सवाल किसी एक पार्टी का नहीं है, सब पार्टियों का है। यह हमारा दुर्भाग्य ही है कि पिछले 75 सालों में हमारी राजनीति का मूल्यों-आदर्शों से रिश्ता लगातार कमजोर हुआ है। सिद्धांतों की राजनीति अब एक जुमला मात्र बनकर रह गयी है! अवसरवाद हमारी राजनीति का मूल मंत्र बन चुका है। राजनीति अब सत्ता हथियाने का खेल बनकर रह गयी है। सत्ता के लिए राजनीति का यह घिनौना खेल जनतांत्रिक मूल्यों को नकारने वाला है। जनतंत्र का मतलब पांच साल में एक बार वोट मांगना या वोट देना ही नहीं होता। जनतंत्र एक जीवन-प्रणाली है। राजनीतिक ईमानदारी इस प्रणाली का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा होनी चाहिए। यह ईमानदारी कहीं खो गयी है। नहीं, खोई नहीं है, हम जान-बूझकर इस चाबी को कहीं रख कर भूल गये हैं। जनता को यह चाबी अपने हाथ में लेनी ही होगी। हमें अपने नेताओं से पूछना ही होगा कि उनकी कार्य-प्रणाली में ईमानदारी के लिए कोई जगह क्यों नहीं है? सिद्धांतों, मूल्यों और नीतियों के आधार पर राजनीतिक दल क्यों नहीं बनाये और चलाये जा सकते? बेईमान और भ्रष्ट राजनेताओं की राजनीतिक नफे-नुकसान के लिए दलों में आवा-जाही को क्यों स्वीकारा जाये? क्यों ऐसे राजनेताओं को अपना बना लिया जाता है जिन्हें कल तक भ्रष्टाचारी और बेईमान घोषित किया जाता रहा था? ऐसे में उन गारंटियों पर विश्वास क्यों किया जाये जो हमारे राजनेता खुले-हाथ लुटा रहे हैं? जब बोलना ज़रूरी हो तो चुप रहने का कोई अर्थ नहीं होता, यह राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था। अब सच्चाई और ईमानदारी के पक्ष में बोलने की ज़रूरत है। यह आवाज़ उठानी ही चाहिए कि झूठे दावों-वादों वाली राजनीति अब स्वीकार नहीं होगी। उस बैंक के नाम की गारंटी का कोई मूल्य नहीं होता जिसकी साख जर्जर होती जा रही है-हमारी राजनीति ऐसा ही बैंक न बन जाये, यह गारंटी हमें, हर जागरूक नागरिक को, स्वयं को देनी ही होगी।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

टूट रहे हैं प्रदूषण के सारे रिकॉर्ड, सांसों का ये कैसा आपातकाल?

(पर्यावरण चिंतन/ लेखक- - योगेश कुमार गोयल)

दिल्ली-एनसीआर की हवा में दीवाली से कुछ दिन पहले ही इस कदर जहर घुल चुका है और हवा इतनी दमघोंटू हो चुकी है कि लोगों को न केवल सांस लेना मुश्किल हो गया है बल्कि अन्य खतरनाक बीमारियों का खतरा भी बढ़ रहा है। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार इस साल अक्तूबर में दिल्ली में प्रदूषण का स्तर 2020 के बाद सबसे खराब स्तर पर था लेकिन नवम्बर की शुरूआत से ही प्रदूषण के सारे रिकॉर्ड टूट रहे हैं और दिल्ली में एक प्रकार से सांसों का आपातकाल सा दिखाई दे रहा है, जहां चारों स्मॉग की घनी चादर छाई है। यह चादर कितनी खतरनाक है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि सूर्य की तेज किरणें भी इस चादर को नहीं भेद पा रही हैं। करीब एक सप्ताह से देश के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की वायु गुणवत्ता सूचकांक में तेजी से गिरावट आई है। इस तरह की वायु गुणवत्ता को सेहत के लिए कई प्रकार से बेहद खतरनाक माना जाता है। दिल्ली के कई हिस्सों में तो वायु गुणवत्ता सूचकांक 800 के आंकड़े को भी पार कर चुका है, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा निर्धारित सीमा से कई गुना ज्यादा है। विशेषज्ञों के मुताबिक अभी अगले 15-20 दिनों तक यहां ऐसी ही स्थिति बनी रह सकती है। वैसे तो दिल्ली के साथ-साथ देश के कई अन्य राज्यों में भी प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है और देश की आर्थिक राजधानी मुम्बई में भी वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में दर्ज की जा रही है लेकिन दिल्ली पिछले कई वर्षों से दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में से एक बनी हुई है, जिसका सीधा सा अर्थ है कि करीब 3.3 करोड़ लोगों में वायु प्रदूषण के कारण होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं का गंभीर जोखिम बना हुआ है। लोगों की सांसों पर वायु प्रदूषण का खतरा इतना खतरनाक होता जा रहा है कि वैज्ञानिक अब दिल्ली में साल-दर-साल बढ़ते प्रदूषण के कारण बढ़ रहे स्वास्थ्य संबंधी गंभीर दुष्प्रभावों को लेकर चिंता जताने लगे हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अधिकारियों के मुताबिक आने वाले कुछ दिनों में दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता बहुत खराब रहेगी, जिसका कारण तापमान में कमी और पराली जलाने से होने वाला उत्सर्जन है। केंद्र सरकार के डिसीजन सपोर्ट सिस्टम फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (डीएसएस) ने पराली जलाए जाने की गतिविधियों में वृद्धि की आशंका जताई है, जिससे अगले कुछ दिनों में वायु गुणवत्ता बेहद खराब होने की आशंका है। चिंता का विषय यह है कि हर साल दिल्ली सहित, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश इत्यादि राज्यों में इस सीजन में खेतों में बड़े स्तर पर पराली जलाई जाती है, जिसके चलते प्रदूषण का यही आलम देखने को मिलता है। यह बेहद चिंता की बात है कि किसानों से खेतों में पराली नहीं जलाए जाने के निरंतर अनुरोधों के बाद भी इस बार दशहरे के मौके पर तो जैसे किसानों में पराली फूंकने की होड़ सी लगी दिखी, वहीं करवा चौथ के मौके पर चांद के दीदार होते ही दिल्ली तथा पड़ोसी राज्यों में लोगों जमकर आतिशबाजी की, जिसने प्रदूषण की स्थिति को और विकराल बनाने में आग में घी का काम किया।

विकास के नाम पर अनियोजित तथा अनियंत्रित निर्माण कार्यों के चलते बिगड़ते हालात, खेतों में जलती पराली, खतरों को जानते-समझते हुए भी की जाने वाली भारी आतिशबाजी तथा वाहनों और औद्योगिक इकाईयों के कारण अत्यधिक प्रदूषित हो रहे वातावरण के भयावह खतरों को हम इसी प्रकार साल-दर-साल झेलने को विवश हैं। हालांकि पर्यावरण तथा प्रदूषण नियंत्रण के मामले में देश में पहले से ही कई कानून लागू हैं लेकिन उनकी पालना कराने के मामले में पर्यावरण एवं प्रदूषण नियंत्रण विभाग में सदैव उदासीनता का माहौल देखा जाता रहा है। देश की राजधानी दिल्ली तो वक्त-बेवक्त 'स्मॉग' से लोगों का हाल बेहाल करती रही है। न केवल दिल्ली-एनसीआर में बल्कि देशभर में वायु, जल तथा ध्वनि प्रदूषण का खतरा निरन्तर मंडरा रहा है। वायु, जल तथा अन्य प्रदूषण के कारण अब हर साल देशभर में लाखों लोग जान गंवाते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक मानव निर्मित वायु प्रदूषण के ही कारण प्रतिवर्ष करीब पांच लाख लोग मौत के मुंह में समा जाते हैं। अब देश का शायद ही कोई ऐसा शहर हो, जहां लोग धूल, धुएं, कचरे और शोर के चलते बीमार न हो रहे हों। देश के अधिकांश शहरों की हवा में जहर घुल चुका है। पर्यावरण तथा मानवाधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत डेविड आर. बॉयड का कहना है कि विश्वभर में इस समय छह अरब से भी ज्यादा लोग इतनी प्रदूषित हवा में सांस ले रहे हैं, जिसने उनके जीवन, स्वास्थ्य और बेहतरी को खतरे में डाल दिया है और सर्वाधिक चिंता की बात यह है कि इसमें करीब एक-तिहाई संख्या बच्चों की है। अपनी बहुचर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' में मैंने विस्तार से बताया है कि वायु प्रदूषण न केवल फेफड़ों को बल्कि स्वास्थ्य को तमाम अन्य तरीकों से भी प्रभावित करता है। हवा की खराब गुणवत्ता के कारण अस्थमा, ब्रोंकाइटिस, और बैक्टीरियल संक्रमण के खतरे बढ़ सकते हैं। वायु की खराब गुणवत्ता व्यक्ति में ऑटिज्म, तनाव और स्ट्रोक जैसे तमाम न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर सहित अन्य बीमारियों को भी बढ़ावा देती हैं वायु प्रदूषण के कारण हवा में कई प्रकार की हानिकारक गैसें सम्मिलित हो जाती हैं, जिनसे सिरदर्द, खांसी, जुकाम और एलर्जी जैसी आम समस्याएं भी देखने को मिलती हैं। पर्यावरण, प्रदूषण और स्वास्थ्य पर विभिन्न प्रकार के प्रदूषण के भयावह खतरों के बारे में विस्तार से जानने के लिए 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक को फिलपकार्ट **https://222.flipkart.com/pradushan-mukt-saansein-environment-nature/p/itmcc9af5e2b2adf?pid=**9788193716816 से प्राप्त किया जा सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार वायु प्रदूषण के चलते दुनियाभर में प्रतिवर्ष करीब 70 लाख लोगों की असामयिक मृत्यु हो जाती है, जिनमें करीब छह लाख बच्चे भी शामिल होते हैं। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक वातावरण में बढ़ रहा वायु प्रदूषण लोगों के स्वास्थ्य के लिए काफी समस्यादायक स्थिति पैदा कर सकता है, जिससे रेसपिरेटरी, न्यूरोबिहेवियरल, कार्डियोवैस्कुलर तथा इम्यून सिस्टम से संबंधित बीमारियां हो सकती हैं। शिकागो विश्वविद्यालय के एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट शिकागो (ईपीआईसी) के निदेशक और अर्थशास्त्र के प्रोफेसर माइकल ग्रीनस्टोन तथा उनकी टीम द्वारा किए गए एक अध्ययन के बाद कुछ समय पहले कहा जा चुका है कि भारत की कुल आबादी का बड़ा हिस्सा ऐसी जगहों पर रहता है, जहां पार्टिकुलेट प्रदूषण का औसत स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों से ज्यादा है। देश में करीब 84 फीसदी व्यक्ति ऐसी स्थानों पर रहते हैं, जहां प्रदूषण का स्तर भारत द्वारा तय मानकों से अधिक है और भारत की एक चौथाई आबादी बेहद प्रदूषित वायु में जीने को मजबूर है। चूंकि वायु प्रदूषण का प्रभाव मानव शरीर पर इतना घातक होता है कि सिर के बालों से लेकर पैरों के नाखून तक इसकी जद में होते हैं, इसीलिए शिकागो विश्वविद्यालय के माइकल ग्रीनस्टोन कहते हैं कि वायु प्रदूषण पर अब गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है ताकि करोड़ों-अरबों लोगों को अधिक समय तक स्वस्थ जीवन जीने का हक मिल सके।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, पर्यावरण मामलों के जानकार तथा 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक के लेखक हैं)

विचार मंथन

विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से निकाले 75000 करोड़

(लेखक- सनत जैन)

पिछले तीन माह से विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार से लगातार अपने शेयरों की बिकवाली कर रहे हैं। शेयर की बिकवाली कर, विदेशी निवेशकों ने मुनाफा कमाकरअपने देश में ले गए हैं। अब भारत में निवेश भी नहीं कर रहे हैं। पिछले 20 वर्षों से भारत का शेयर बाजार विदेशी निवेशकों के लिए कमाई का सबसे बड़ा जरियाबना हुआ था। जब से अडानी का घोटाला सामने आया है। जिस तरह की आर्थिक स्थिति भारत की बनती जा रही है। उसके बाद विदेशी निवेशकों ने भारत के शेयर बाजार से मुंह मोड़ लिया है। गिरते हुए शेयर बाजार को थामने के लिए सरकार और बड़े-बड़े उद्योगपतियों ने एक बार फिर देसी निवेशकों को बाजार गिरने से रोकने के काम पर लगा दिया है। 70000 करोड रुपए का निवेश भारतीय कंपनियों ने शेयर बाजार में किया है। जिसके कारण बाजार को गिरने से रोका जा सका है। यह स्थिति कब तक रहेगी, कहना मुश्किल है। घरेलू निवेशकों के दम पर कब तक शेयर बाजार को गिरने से रोका जा सकता है। इसकी टोपी उसके सर कर शेयर बाजार के स्तर को बनाए रखना की स्थिति अब बाजार की नहीं रही। वित्तीय विशेषज्ञों के अलग-अलग मत हैं। मार्च 2020 के बाद भारतीय शेयर बाजार ने लंबी छलांग लगाते हुए 106 फ़ीसदी की वृद्धि की थी। वहीं अन्य एशियाई बाजार में मात्र 30 फ़ीसदी की वृद्धि हुई है। शेयर बाजार की तेजी, और भारत में उत्पादन बिक्री एवं अन्य चीजों में कोई समानता नहीं थी। उसके बाद भी भारतीय शेयर बाजार बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहे थे। आज की तारीख में भारतीय शेयर बाजार सबसे जोखिम वाला शेयर बाजार बन गया है। जैसे ही बाजार थोड़ा सा भी गिरेगा। वित्तीय संस्थानों की आर्थिक हालत और बैलेंस शीट गड़बड़ा जाएगी। उस हालत में शेयर बाजार को थामे रखना सरकार और रिजर्व बैंक के लिए बहुत मुश्किल होगा। शेयर बाजार के वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि दो माह पहले तक शेयर मार्केट उफान पर था। वैश्विक स्तर पर लगातार तनाव बढ़ाने के कारण अब शेयर बाजार से लोग बाहर निकल रहे हैं। वैश्विक स्तर में शेयर बाजार में गिरावट लगातार बनी हुई है। निवेशक अब म्युचुअल फंड की ओर शिफ्ट हो रहे हैं। जिसके कारण शेयर बाजार की स्थिति विशेष रूप से भारतीय शेयर बाजार कभी भी अर्श से फर्श पर आने की और बढ़ चला है। भारतीय खुदरा निवेशकों को सुरक्षित निवेश करने की जरूरत है। इसके अतिरिक्त भारतीय संस्थागत निवेशकों को भी विशेष रूप से बैंक भारतीय जीवन बीमा निगम एवं अन्य सरकारी संस्थाओं को सोच समझ कर निवेश करेंगे,तो बेहतर होगा। नहीं तो एक बार फिर भारतीय शेयर बाजार के हालात हर्षद मेहता कांड की ओर ले जाने के लिए अग्रसर हैं।

बढ़ती हुई बेरोजगारी चिंताजनक

भारत में बेरोजगारी की दर 10 फ़ीसदी से ज्यादा बढ़ गई है। दिहाडी मजदूरों को भी काम नहीं मिल पा रहा है। पिछले 5 सालों की तुलना करें तो सितंबर और अक्टूबर 2023 के महीने में 50 लाख लोगों को दिहाड़ी मजदूरी भी नहीं मिली। ग्रामीण क्षेत्रों में भी बेरोजगारी तेजी के साथ बढ़ रही है। छोटे-छोटे खुदरा व्यापारियों का कामकाज भी बंद होने से यहां पर भी काम में कमी आई है। अक्टूबर माह में भारत पिछले 5 साल की तुलना में 28। 16 फ़ीसदी रोजगार काम हुआ है। 15 वर्ष से अधिक उम्र के बीच में बेरोजगारी की दर बढ़कर 10 फ़ीसदी तक पहुंच गई है। इससे आर्थिक जगत की चिंताएं और भी बढ़ गई हैं। आर्थिक दृष्टि से भारत अपने सबसे बड़े खराब बुरे दौर से गुजर रहा है। एक बार फिर 1990 जैसे हालात बनने लगे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एलएंडटी एलटीआईईएल में अपनी100 फीसदी हिस्सेदारी बेचेगी

नई दिल्ली । एलएंडटी ने अपनी अनुषंगी कंपनी एलएंडटी इन्फ्रास्ट्रक्चर इंजीनियरिंग लिमिटेड (एलटीआईईएल) में पूरी हिस्सेदारी फ्रांस की एक कंपनी को बेचने की योजना बनाई है। कंपनी यह विनिवेश अपने मूल कारोबार और परिसंपत्तियों पर पूरा ध्यान लगाने की प्रतिबद्धता के कारण कर रही है। एलएंडटी ने कहा कि कंपनी एलएंडटी इन्फ्रास्ट्रक्चर इंजीनियरिंग लिमिटेड में अपनी 100 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचेगी। एलटीआईईएल बुनियादी ढांचा क्षेत्र के लिए एकीकृत इंजीनियरिंग परामर्श सेवाएं प्रदाता है। हिस्सेदारी का अधिग्रहण फ्रांस की एससिस्टम एसए की सहायक कंपनी एसटीयूपी कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड करेगी। कुछ शर्तों के साथ यह समझौता अगले साल 15 जनवरी तक पूरा होने की संभावना है। एलएंडटी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि यह गैर-प्रमुख एकीकृत परामर्श इंजीनियरिंग क्षेत्र से निकलने और हमारे मुख्य व्यवसायों पर ऊर्जा और ध्यान केंद्रित करने की ओर एक कदम है। इससे न केवल एलएंडटी को फायदा होगा बल्कि एलटीआईईएल और उसके कर्मचारियों को विकास के बड़े अवसर भी मिलेंगे।

डीजीसीए के मसौदे में रात के काम के घंटे घटाने और पायलटों के लिए आराम बढ़ाने का है प्रस्ताव

नई दिल्ली। विमानन निगरानी संस्था, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने अपने हाल ही में तैयार किए गए मसौदे पर 4 दिसंबर तक टिप्पणियां आमंत्रित की हैं, जिसमें रात के काम के घंटों को कम करने और पायलट और चालक दल के सदस्यों के आराम को बढ़ाने का प्रस्ताव है। डीजीसीए का मसौदा पायलट थकान की शिकायतों की बढ़ती संख्या को संबोधित करने की आवश्यकता के जवाब में आया है। परिवर्तनों में अधिकतम उड़ान ड्यूटी की अवधि को 13 घंटे से घटाकर 10 घंटे करना और न्यूनतम साप्ताहिक आराम अवधि को 36 घंटे से बढ़ाकर 48 घंटे करना शामिल है। मसौदे में आगे कहा गया है, एक ऑपरेटर यह सुनिश्चित करेगा कि दो स्थानीय रातों सहित लगातार 48 घंटों का न्यूनतम साप्ताहिक आराम प्रदान किया जाए ताकि एक साप्ताहिक आराम अवधि के अंत और अगले की शुरुआत के बीच कभी भी 168 घंटे से अधिक न हो। . इसके अतिरिक्त, डीजीसीए का सुझाव है कि स्टैंडबाय अवधि 12 घंटे से अधिक नहीं बढ़नी चाहिए, और हवाई अड्डे पर अधिकतम स्टैंडबाय समय (शयन कक्ष के साथ या उसके बिना) 8 घंटे से अधिक नहीं होना चाहिए। इसके अलावा, डीजीसीए सिफारिश कर रहा है कि उड़ान चालक दल के सदस्यों को 168 घंटे की अवधि के भीतर एक बार को छोड़कर, लगातार दो रातों से अधिक, स्थानीय समयानुसार 0000 से 0600 बजे के बीच कोई उड़ान ड्यूटी नहीं सौंपी जानी चाहिए या नहीं ली जानी चाहिए। उड़ान चालक दल के सदस्यों के लिए जो अपने गृह आधार या अधिवास समय से 48 घंटे से कम दूर रहते हैं, उड़ान अनुसूची के पहले प्रस्थान के बिंदु पर स्थानीय समय के आधार पर लगातार दो रातें निर्धारित की जाती हैं। उन्होंने कहा, डीजीसीए विशिष्ट शहर जोड़े और इन उड़ानों की प्रस्थान खिड़कियों के लिए केस-दर-केस आधार पर अल्ट्रा-लॉन्ग उड़ानों के संचालन के लिए मंजूरी देगा। ड्राफ्ट में कहा गया है, ऑपरेटरों को अल्ट्रा-लॉन्ग-हॉल परिचालन के लिए सिटी पेयर स्पेसिफिक अनुमोदन प्राप्त करने के लिए डीजीसीए को एक विशिष्ट योजना प्रस्तुत करनी होगी। इसमें कहा गया है, यदि ऑपरेटर निर्देशात्मक नियमों का पालन करता है तो डीजीसीए चालक दल की सतर्कता के लिए इन उड़ानों को मान्य कर सकता है, लेकिन यह प्राथमिकता दी जाएगी कि चालक दल की सतर्कता की निरंतर निगरानी के लिए ऑपरेटर थकान जोखिम प्रबंधन प्रणाली अपनाए। विमानन प्राधिकरण का यह भी कहना है कि डीजीसीए जरूरत के मुताबिक रिकॉर्ड की प्रतियां और विश्ले षण प्रस्तुत करने का अनुरोध कर सकता है। ऑपरेटरों को यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि उड़ान चालक दल के सदस्य अपने दैनिक उड़ान समय, ड्यूटी अवधि, उड़ान ड्यूटी अवधि और आराम अवधि का व्यक्तिगत रिकॉर्ड बनाए रखें।

देश का 5जी स्मार्टफोन निर्यात तीसरी तिमाही में बढ़कर 57 प्रतिशत पर पहुंचा, सैमसंग सबसे आगे: रिपोर्ट

नई दिल्ली।

एक नई रिपोर्ट में कहा गया है कि इस साल की तीसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में 5जी स्मार्टफोन निर्यात में देश की हिस्सेदारी बढ़कर 57 फीसदी हो गई। पिछले साल की तीसरी तिमाही की तुलना में इसमें 78 फीसदी की वृद्धि हुई है।साइबरमीडिया रिसर्च (सीएमआर) के अनुसार, सैमसंग ने 23 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ देश में 5जी स्मार्टफोन बाजार का नेतृत्व किया। इसके बाद 16 प्रतिशत के साथ वीवो का स्थान रहा। 2023 की तीसरी तिमाही में 11 अरब डॉलर मूल्य के 5जी स्मार्टफोन का निर्यात किया गया।सीएमआर की विशे लेषक शिप्रा सिन्हा ने कहा, 44 नए लॉन्च और 57 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ 5जी स्मार्टफोन सेगमेंट ने बाजार की वृद्धि को जारी रखा। फोल्डेबल स्मार्टफोन में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जो एक साल पहले की तुलना में दोगुनी हो गई। इसके अलावा, 4जी फीचर फोन में जबरदस्त वृद्धि हुई है, जो आकांक्षी भारत और शहरी भारत में सहायक उपकरणों की मांग से प्रेरित है।''

रिपोर्ट में कहा गया है कि जहां भारत का स्मार्टफोन बाजार साल-दर-साल आधार पर स्थिर रहा, वहीं कुल मोबाइल बाजार में एक फीसदी की मामूली गिरावट देखी गई। वैल्यू-फॉर-मनी स्मार्टफोन सेगमेंट (सात हजार से 25 हजार रुपये) की हिस्सेदारी सबसे ज्यादा 69 फीसदी रही। इसके बावजूद इसके शिपमेंट में 11 फीसदी (साल-दर-साल) की कमी आई है।

किफायती स्मार्टफोन सेगमेंट (सात हजार रुपये से कम) में 78 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) के साथ पर्याप्त वृद्धि देखी गई।प्रीमियम सेगमेंट (25 हजार से 50 हजार रुपये) में 11 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) वृद्धि देखी गई। इसके अतिरिक्त, सुपर-प्रीमियम स्मार्टफोन सेगमेंट (50 हजार से एक लाख रुपये) और उबर प्रीमियम सेगमेंट (एक लाख रुपये से अधिक) में क्रमशः 87 प्रतिशत और 136 प्रतिशत की साल-दर-साल उत्कृष्ट वृद्धि दर देखी गई।

अमेरिकी कृषि मंत्रालय ने पहली बार सीआईआईई में प्रतिनिधिमंडल भेजा

बीजिंग। छठा चीन अंतर्राष्ट्रीय आयात एक्सपो (सीआईआईई) 5 नवंबर को चीन के शंघाई में शुरू हुआ। इस साल, अमेरिकी कृषि मंत्रालय ने इस आयोजन में भाग लेने के लिए एक प्रतिनिधिमंडल भेजा। चीन में अमेरिकी दूतावास और अमेरिकी सोयाबीन निर्यात संघ ने 2 नवंबर को इसकी पुष्टि की। जानकारी के अनुसार, सीआईआईई में अमेरिका के कैलिफोर्निया, इडाहो और जॉर्जिया के 17 प्रदर्शकों के साथ एक अमेरिकी खाद्य और कृषि प्रदर्शनी हॉल शामिल है। यह मुख्य रूप से कृषि उत्पादों और प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित करता है। इसके अलावा, कृषि उत्पादों और अन्य क्षेत्रों के लिए खरीद और सहयोग हस्ताक्षर समारोह भी होंगे। अमेरिकी सोयाबीन निर्यात संघ के मुख्य कार्यकारी अध्यक्ष जिम सटर ने हाल ही में सीआईआईई की प्रशंसा की। उनके मुताबिक, सीआईआईई एक सुव्यवस्थित और बड़े पैमाने पर होने वाला अंतर्राष्ट्रीय आयोजन है। सटर का मानना है कि सीआईआईई अमेरिकी कृषि उद्योग के प्रतिनिधियों को अपने चीनी ग्राहकों और अन्य प्रतिभागियों से मिलने और संवाद करने का एक शानदार अवसर प्रदान करता है। बता दें कि अमेरिका के अलावा, थाईलैंड, सर्बिया और कजाकिस्तान जैसे देशों और क्षेत्रों ने भी इस वर्ष के सीआईआईई में भाग लेने के लिए बड़े प्रतिनिधिमंडल भेजे हैं। इस आयोजन ने 154 देशों, क्षेत्रों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के 3,400 से अधिक प्रदर्शकों को आकर्षित किया है, जो इसे अब तक का सबसे बड़ा प्रदर्शन बनाता है।

वैश्विक रुझान से तय होगी शेयर बाजारों की दिशा

- कच्चे तेल के दाम और रुपए की चाल पर भी निवेशकों की नजर रहेगी

मुंबई ।

घरेलू कंपनियों के तिमाही पे रिणाम, वैश्विक रुझान और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा तय करेंगी।

विश्लेषकों ने यह राय जताई है। इसके अलावा वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के दाम और डॉलर के मुकाबले रुपए की चाल पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि घरेलू मोर्चे पर कंपनियों के दूसरी तिमाही के नतीजे बाजार की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण रहेंगे। यदि विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुद्ध रूप से लिवाल रहते हैं, तो इससे बाजार की तेजी को और समर्थन मिल सकता है। हालांकि भू-राजनीतिक चिंताएं बनी हुई हैं, लेकिन उनका बाजार के कुल रुझान पर सीमित प्रभाव पड़ा है।

वैश्विक बाजारों का जुझारूपन इस सकारात्मक धारणा को कायम

रखने की दृष्टि से महत्वपूर्ण रहेगा।

वृहद आर्थिक मोर्चे पर औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) के आंकड़ों की घोषणा शुक्रवार को बाजार बंद होने के बाद की जाएगी।

एक अन्य बाजार के विश्लेषक कहते हैं कि वैश्विक और घरेलू मोर्चे पर वृहद आर्थिक घटनाक्रम, एफआईआई के साथ घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) का रुख, कच्चे तेल का भंडार, डॉलर के मुकाबले रुपए की चाल, अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल, इजराइल-हमास संघर्ष और दूसरी तिमाही के नतीजे इस सप्ताह बाजार की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने बताया कि आगामी दिनों में कुछ बड़ी कंपनियां मसलन एचपीसीएल, एनएचपीसी, आईआरसीटीसी, पावर ग्रिड, टाटा पावर, अशोक लेलैंड, कोल इंडिया, हिंडाल्को, एलआईसी, महिंद्रा एंड महिंद्रा और टाटा केमिकल्स अपनी तिमाही नतीजों की घोषणा करेंगी। मजबूत वैश्विक संकेतक, स्थिर वृहद आर्थिक आंकड़े और घरेलू कंपनियों के बेहतर नतीजों से बाजार मजबूत हुआ है।

इसके अलावा फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर में और बढ़ोतरी नहीं करने का संकेत तथा कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से भी निवेशकों का भरोसा बढ़ा है।

एयर इंडिया अगले छह महीने में 30 नए विमान लाएगी

मुंबई ।

टाटा समूह की तरफ से एयर इंडिया का टेकओवर करने के बाद एयरलाइन को लगातार अपग्रेड किया जा रहा है। अब एयरलाइंस की अगले छह महीने में 30 से ज्यादा नए विमान लाने की योजना है। इसके अलावा एयरलाइन का 400 साप्ताहिक विमान जोड़ने की भी योजना है। देश से बाहर चार नई जगह के लिए एयरलाइन की तरफ से उड़ाने शुरू की जा सकती हैं। टाटा ग्रुप की एयरलाइन ने मौजूदा नेटवर्क और बेड़े के विस्तार पर काम कर रही है। एयरलाइन ने बताया कि इंटरनेशनल एक्े सटेंशन उत्तरी अमेरिका, यूरोप और दक्षिण-पूर्ण एशिया में करने की योजना है। एयर इंडिया ने कहा कि विंटर प्रोग्राम के हिस्से के रूप में एयरलाइन का इरादा मार्च, 2024 तक अपने घरेलू और इंटरनेशनल नेटवर्क में 400 से ज्यादा साप्ताहिक उड़ान जोड़ने का है। विंटर प्रोग्राम 29 अक्टूबर से अगले साल 30 मार्च

तक लागू रहेगा। अगले छह महीने में प्रस्तावित नए विमानों के आने के आधार पर एयर इंडिया का लक्ष्य कई घरेलू उड़ानों पर 200 से ज्यादा साप्ताहिक उड़ाने शुरू करने का भी है। इंटरनेशनल नेटवर्क पर कंपनी 200 से ज्यादा साप्ताहि उड़ानें फ्लाइट शुरू करेगी। इसमें 80 से ज्यादा साप्ताहिक उड़ानें पहले ही जोड़ी जा चुकी हैं। एयर इंडिया की तरफ से कहा गया कि मार्च 2024 तक एयर इंडिया के बेड़े में 30 से ज्यादा बड़े आकार वाले विमान शामिल करने की उम्मीद है। बेड़े में छह ए350, चार बी777 और 20 ए320 नियो शामिल हैं। एयर इंडिया ने इसी साल एयर बस और बोइंग को 470 नए विमानों का ऑर्डर दिया था।

ई-कॉमर्स कारोबार में 5-10 साल में जीवनशैली खंड की वृद्धि अहमः स्नैपडील सीईओ

नई दिल्ली: स्नैपडील का मानना है कि अगले 5-10 वर्षों में ई-कॉमर्स कारोबार की कहानी मूल्य प्रदान करने वाले जीवनशैली खंड की वृद्धि पर निर्भर करेगी। कंपनी इस अवसर का एक अच्छा हिस्सा हासिल करने की कोशिश कर रही है और ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए गुणवत्ता जांच, कृत्रिम मेधा (एआई) तथा प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल पर जोर दे रही है। स्नैपडील के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हिमांशु चक्रवर्ती ने बताया कि मूल्य प्रदान करने वाले ई-कॉमर्स खंड में कंपनी अच्छी स्थिति में हैं और उसने अभी वृद्धि के लिए फिर से निवेश करने का विकल्प चुना है। कंपनी के वित्तीय सूचक लाभप्रदता के काफी करीब हैं। चक्रवर्ती ने कहा कि स्नैपडील को सामान्य त्योहारी सत्र की उम्मीद है, जहां आम तौर पर अन्य महीनों की तुलना में मांग 25-30 प्रतिशत तक बढ़ती है। उन्होंने कहा, ''अनुमान के अनुसार भारत में बेहतर खुदरा जीवनशैली बाजार 88 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 175 अरब डालर तक बढ़ गया है। इसके साथ ही ई-कॉमर्स का हिस्सा आठ प्रतिशत से बढ़कर 22 प्रतिशत होने जा रहा है।

चीनी राष्ट्रपति ने सीआईआईई को बधाई संदेश भेजा

बीजिंग,

छठा चीन अंतर्राष्ट्रीय आयात एक्सपो (सीआईआईई) रविवार को पूर्वी चीन के शांगहाई शहर में शुरू हुआ। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने सीआईआईई को बधाई संदेश भेजा। इस बधाई संदेश में, राष्ट्रपति शी ने कहा कि साल 2018 के बाद से इसे पांच बार सफलतापूर्वक आयोजित किया गया है। सीआईआईई चीन के बड़े बाजार का लाभ उठाते हुए अंतरराष्ट्रीय खरीद, निवेश प्रोत्साहन, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और खुले सहयोग के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। इसके सकारात्मक योगदान ने नए विकास पैटर्न की स्थापना को गति दी है और वैश्विक आर्थिक विकास को बढ़ावा दिया है। राष्ट्रपति शी ने मौजूदा विश्व आर्थिक सुधार में गति की कमी पर जोर दिया। उन्होंने सभी देशों को सहयोग करने और साझा विकास करने की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि चीन हमेशा वैश्विक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर रहेगा और अन्य देशों के लिए उच्च स्तरीय खुलेपन की पुरजोर वकालत करेगा। शी का कहना है कि चीन अधिक खुले, समावेशी, सार्वभौमिक रूप से लाभकारी, संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभप्रद दिशा में आर्थिक वैश्वीकरण को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। आपको बता दें कि 'नया युग, साझा भविष्य' विषय पर सीआईआईई 10 नवंबर तक छह दिनों तक चलेगा।

एसबीआई ने कर्मचारियों के वेतन और पेंशन में बढ़ोतरी के लिए 8,900 करोड़ रुपये अलग रखे

मुंबई।

एसबीआई के चेयरमैन दिनेश खारा ने शनिवार को कहा कि देश के सबसे बड़े बैंक के कर्मचारियों के वेतन और पेंशन में संभावित बढ़ोतरी ने दूसरी तिमाही के शुद्ध लाभ को प्रभावित किया है। बैंक दूसरी तिमाही में वेतन में 14 फीसदी बढ़ोतरी मानकर प्रावधान कर रहा है। खारा ने मुंबई में एसबीआई की दूसरी तिमाही के नतीजों की घोषणा के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बैंक नवंबर 2022 से प्रभावी संभावित वेतन संशोधन के लिए पैसा अलग रख रहा है और उसने अब तक इसके लिए 8,900 करोड़ रुपये प्रदान किए हैं। खारा ने कहा, ÷हमें जो एकमुश्त प्रावधान करना था, उसके कारण मुनाफा थोड़ा कम हो गया है। अन्यथा हमें उम्मीद है कि अगले वित्त वर्ष में विकास की गति 16 प्रतिशत से 17 प्रतिशत तक जारी रहेगी। घरेलू मांग मजबूत है, त्योहार से जुड़े खर्च के कारण इसे और बढ़ावा मिलेगा।÷ यह भी पढ़े -दूसरी तिमाही में एसबीआई को 14,330 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ एसबीआई ने चालू वित्तवर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही के लिए शनिवार को शुद्ध लाभ में 8 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 14,330 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की। खुदरा ऋण में 16 प्रतिशत की वृद्धि कॉर्पोरेट ऋण वृद्धि से अधिक रही जो 7 प्रतिशत थी। हालांकि, खारा ने कहा कि कंपनियां धीरे-धीरे ऋण ले रही हैं और बैंक 4.77 लाख करोड़ रुपये के ऋण की पाइपलाइन पर मंजूरी और वितरण का इंतजार कर रहा है। खारा ने कहा, ÷बैंक के पास 3.20 लाख करोड़ रुपये का असुरक्षित ऋण है। हमारे लगभग 86 प्रतिशत असुरक्षित ऋण वेतनभोगी ग्राहकों को दिए गए हैं जो सुरक्षित सरकारी नौकरियों में काम कर रहे हैं और चिंता का कोई कारण नहीं है।÷ आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने हाल की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में बैंकों और एनबीएफसी की असुरक्षित ऋण में वृद्धि पर चिंता जताई थी। दास ने कहा, ÷बैंकों और एनबीएफसी को अपने आंतरिक निगरानी तंत्र को मजबूत करने, जोखिमों का बढ़ना टालने और उनके हित में उपयुक्त सुरक्षा उपाय करने की सलाह दी जाएगी।

हुंडई, किआ ने 2 सालों में अमेरिका में बेचे 1 लाख से ज्यादा इलेक्ट्रिक वाहन

सोल।

दक्षिण कोरिया की प्रमुख कार निर्माता हुंडई मोटर और किआ ने पिछले दो सालों में संयुक्त राज्य अमेरिका में 100,000 से ज्यादा इलेक्ट्रिक वाहन बेचे हैं। समाचार एजेंसी योनहाप की रिपोर्ट के अनुसार, खास तौर से ईवी के लिए डिजाइन किए गए इलेक्ट्रिक ग्लोबल मॉड्यूलर प्लेटफॉर्म (ई-जीएमपी) का उपयोग करने वाली कुल 101,976 हुंडई और किआ कारें दिसंबर 2021 से अक्टूबर 2023 तक राज्य भर में बेची गईं।

दो कंपनियों ने आयोनिक 5 के बाद से किआ के ईवी6 और हुंडई के आयोनिक 5, आयोनिक 6 और जेनेसिस जीवी60 के चार ई-जीएमपी-आधारित मॉडल को अमेरिका में बिक्री के लिए रखा है, ई-जीएमपी पर विकसित पहला मॉडल दिसंबर 2021 में उत्तरी अमेरिकी में शुरू हुआ। इस अवधि के दौरान, इलेक्ट्रिक कॉम्पैक्ट क्रॉसओवर एसयूवी आयोनिक 5 कुल 51,420 इकाइयों की बिक्री के साथ सबसे ज्यादा बिकने वाला मॉडल था, इसके बाद ईवी6 की 36,838, आयोनिक 6 की 9,557 और जेनेसिस जीवी60 की 4,161 इकाइयां रहीं।

वियासैट 800 कर्मचारियों की करेगा छंटनी

सैन फ्रांसिस्को।

वैश्विक संचार कंपनी वियासैट 800 कर्मचारियों की छंटनी कर रही है, जो उसके कार्यबल का लगभग 10 प्रतिशत है। सैटेलाइट टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, यह छंटनी तब हुई, जब कंपनी अधिग्रहण के बाद इनमारसैट व्यवसाय को एकीकृत कर रही है। वियासैट ने मई में इनमारसैट अधिग्रहण बंद कर दिया। छंटनी के बाद, वियासैट का परिचालन अभी भी वैश्विक रहेगा और इसके अधिकांश कर्मचारी अमेरिका और ब्रिटेन में स्थित रहेंगे।

वियासैट के अध्यक्ष गुरु गौरप्पन ने कहा, हम जिन बदलावों की घोषणा कर रहे हैं, वे हमारे सबसे बड़े विकास अवसरों की ओर हमारे खर्च को केंद्रित करने और मार्जिन और लाभप्रदता का विस्तार करते हुए दीर्घकालिक सफलता के लिए वियासैट की स्थिति पर ध्यान केंद्रित करने के हमारे लक्ष्यों के अनुरूप हैं। गौरप्पन ने कहा,साथ ही, हमारे कार्यबल को कम करने का निर्णय बहुत कठिन है, और ऐसा कुछ नहीं जिसे हम हल्के में लेते हैं। हम अपने दिवंगत सहयोगियों के प्रति उनके समर्पण, कड़ी मेहनत और योगदान के लिए आभार व्यक्त करना चाहते हैं, जो वियासैट की सफलता की कहानी का अभिन्न अंग रहे हैं। इस कटौती से वियासैट को 45 मिलियन डॉलर का खर्च आएगा, जो मुख्य रूप से वित्तीय वर्ष 2024 की दूसरी छमाही में खर्च किया जाएगा। कंपनी ने कहा कि इस कदम से वित्तीय वर्ष 2025 से शुरू होने वाले वार्षिक खर्च में 100 मिलियन डॉलर की बचत होगी। रिपोर्ट के अनुसार, इससे कंपनी को अपने वित्तीय वर्ष 2025 कैपेक्स लक्ष्य 1.4 बिलियन डॉलर से 1.5 बिलियन डॉलर तक पहुंचने में भी मदद मिलेगी। पिछले महीने, वियासैट ने पुष्टि की थी कि वह वियासैट-3 और इनमारसैट-6 एफ2 दोनों के लिए बीमा दावों को अंतिम रूप दे रहा है, जिसके पावर सबसिस्टम में एक विसंगति थी।

पेट्रोल और डीजल की कीमत कुछ राज्यों में बदली

नई दिल्ली ।

कच्चे तेल की कीमतों में स्थिरता रहने से रविवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बड़ा बदलाव देखने को नहीं मिला है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने ईंधन के नए दाम जारी कर दिए हैं। भारत में हर सुबह 6 बजे ईंधन के दामों में संशोधन किया जाता है। जून 2017 से पहले कीमतों में संशोधन हर 15 दिन के बाद किया जाता था। छत्तीसगढ़ में पेट्रोल 0.50 पैसे सस्ता होकर 103.08 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। एमपी में पेट्रोल के दाम में 0.12 पैसे की वृद्धि हुई है। वहीं राजस्थान 0.45 पैसे महंगा हो गया है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.59 रुपए और

डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

Sports

द्रविड़ ने विराट को जन्मदिन पर बधाई देते हुए महान खिलाड़ी बताया

कोलकाता । भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के 35वां जन्मदिन पर उन्हें बधाई देते हुए एक महान खिलाड़ी बताया। द्रविड़ ने कहा कि पूर्व कप्तान विराट ने अपने प्रदर्शन से उनकी पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए शीर्ष स्तर के मानक कायम किये हैं। अन्होंने अपने करियर के दौरान कई अहम रिकार्ड भी बनाये हैं।द्रविड़ ने कहा, 'विराट खेल के दिग्गज हैं, विशेष रुप से एकदिवसीय क्रिकेट में उनका जवाब नहीं है। मुझे लगता है कि खेल के सभी प्रारूप में वह जिस तरह से मैच को समाप्त करते हैं वह उन्हें विशेष बनाता है। उनके प्रदर्शन से युवाओं को भी प्रेरिणा मिली है। अश्विन ने माना कि कोहली ने भारतीय क्रिकेट में सोचने के तरीके और खिलाड़ियों की मानसिकता बदलने में बहुत अहम भूमिका निभाई है।वहीं युवा बल्लेबाज शुभमन गिल ने भी कोहली को जन्मदिन पर बधाई देते हुए कहा, 'खेल के प्रति उनका रवैया और रनों के लिए जुनून अद्वितीय है। मैंने किसी को भी उनके जितना जुनूनी नहीं देखा।

विश्वकप

बांग्लादेश और श्रीलंका में आज होगी टक्कर

नई दिल्ली ।

यहां सोमवार को श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच मैच होना है। इस मैच को लेकर आशंकाएं भी लग गयी हैं क्योंकि वायु प्रदूषण बढ़ने से खिलाड़ियों के लिए खेलना आसान नहीं होगा। प्रदूषण अधिक होने के कारण ही टीम अभ्यास भी नहीं कर पायी हैं। मैच को लेकर अंतिम फैसला इसके शुरु होने के पहले ही अंपायर लेंगे।

बांग्लादेश की टीम नौवें स्थान पर होने के कारण पहले ही सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर गयी है जबकि श्रीलंका की टीम सातवें स्थान पर है। आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो ही टीमों के बीच अभी तक जो 53 एकदिवसीय मैच खेले गए हैं उनमें से श्रीलंका ने 42 में जीत दर्ज की है जबकि 9 मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा। बांग्लादेश ने हालांकि विश्व कप से पहले अभ्यास मैच में श्रीलंका को हराया था और इस कारण उसका मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा।

वहीं श्रीलंका की टीम भारत के हाथों पिछले मैच में 302 रन से मिली हार से उबरकर इस मैच में बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगी। भारत के खिलाफ लंकाई टम 55 रन ही बना पायी थी। ऐसे में उसके बल्लेबाजों का लक्ष्य इस मैच में बड़ा स्कोर बनाना रहेगा। टीम को अपने खिलाड़ियों की चोटों से भी नुकसान हुआ है।

श्रीलंका के तेज गेंदबाजों का प्रदर्शन भी खास नहीं रहा है। स्पिनर भी उम्मीद के अनुरुप प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। दूसरी ओर बांग्लादेश की टीम का प्रदर्शन भी अभी तक अच्छा नहीं रहा है। टीम बल्लेबाजी और गेंदबाजी में संघर्ष करती दिखी है।

दोनो ही टीमें टीम इस प्रकार हैं :

बांग्लादेश : शाकिब अल हसन (कप्तान), लिट्टन दास (विकेटकीपर), तंजीद हसन तमीम, नजमुल हुसैन शंटो (उपकप्तान), तौहीद हृदोय, मुश्फिकुर रहीम (विकेटकीपर), महमुदुल्लाह रियाद, मेहदी हसन मिराज, नसुम अहमद, महेदी हसन, तस्कीन अहमद , मुस्तफिजुर रहमान, हसन महमूद, शोरिफुल इस्लाम, तंजीम हसन साकिब

श्रीलंका : कुसल मेंडिस (कप्तान और विकेटकीपर), कुसल परेरा, पथुम निसांका, दुशमंत चमीरा, दिमुथ करुणारत्ने, सदीरा समरविक्रमा, चैरिथ असलांका, धनंजय डी सिल्वा, महीश थीक्षाना, डुनिथ वेललागे, कसुन राजिथा, एंजेलो मैथ्यूज, दिलशान मदुशंका, दुशान हेमंथा, चमिका करुणारत्ने

रचिन की सफलता देखकर अभिभावक अपने बच्चे का नाम रोको भी रखने लगेंगे : गावस्कर

नई दिल्ली ।

महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने न्यूजीलैंड के युवा बल्लेबाज रचिन रवींद्र की जमकर प्रशंसा की है। भारतीय मूल के रचिन ने पाकिस्तान के खिलाफ विश्वकप मैच में शानदार शतक लगाया था। ये विश्ककप में उनका तीसरा शतक है। रचिन ने इस मैच में 108 रन बनाये। रचिन ने इससे अब तक विश्वकप में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ भी शतक लगाये थे। गावस्कर ने कहा है कि आज के अभिभावको को अपने बच्चे का नाम रोको रखना चाहिए। .गावस्कर ने ऐसा इसलिए , रचिन रवींद्र ने अपने नाम के पीछे का खुलासा करते हुए कहा था कि एक बार मेरे मम्मी-पापा मेरे नाम को लेकर चर्चा कर रहे थे। तब उन्हें सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ की बल्लेबाजी पसंद थी। इसलिए उन्होंने मेरे नाम में इन दो खिलाड़ियों के नाम का पहला अक्षर लिया। इस प्रकार राहुल से र और सचिन से चिन मेरे नाम में आया। गावस्कर ने रचिन के शानदार प्रदर्शन पर कहा, रचिन का नाम जिस विश्वास से नाम रखा गया। उस हिसाब से अगर कोई अभिभावक अपने बच्चे का नाम रोको रख लें, तो मैं मुझे बिल्कुल भी हैरानी नहीं होगीरचिन इस बार विश्वकप में न बनाने के मामले में दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं. रचिन ने 8 मैचों में अब तक 74 के औसत से 523 रन बनाए हैं। वहीं पहले नंबर पर केवल दक्षिण अफ्रका के क्विंटन डिकॉक हैं। डिकॉक ने अबतक 545 रन बनाये हैं।

रूबलेव को हराकर पेरिस मास्टर्स के फाइनल में पहुंचे जोकोविच

पेरिस । नोवाक जोकोविच रोलेक्स पेरिस मास्टर्स के सेमीफाइनल में आंद्रे रुबलेव पर 5-7, 7-6 (3), 7-5 से जीत दर्ज करते हुए फाइनल में पहुंच गए है। शनिवार को यहां खेले गये सेमीफाइनल मुकाबले में टेनिस में एक नंबर रैकिंग वाले जोकोविच ने अपनी जीत का सिलसिला जारी रखते हुए अपने करियर के रिकॉर्ड-विस्तारित 58वें मास्टर्स 1000 फाइनल में पहुंच गए है। वह अब रिकॉर्ड-विस्तारित 40वें मास्टर्स 1000 खिताब से एक जीत दूर हैं। जोकोविच की इस वर्ष की यह 50वीं जीत है। वह एक ही वर्ष में 50 या अधिक मैच जीते का कारनामा 14 बार कर चुके है। वह ओपन में 14 अलग-अलग सत्र में 50 या अधिक मैच जीतने वाले तीसरे खिलाड़ी हैं और जिमी कॉनर्स के साथ दूसरे स्थान पर हैं। जोकोविच ने वर्ष 2007 में (68), 2008 में (64), 2009 में (78), 2010 में (61), 2011 में (70), 2012 में (75), 2013 में (74), 2014 में (61), 2015 में (82), 2016 में (65), 2018 में (53), 2019 में (57) और 2021 (55) जीत दर्ज की थी। जोकोविच अब अपने सातवें रोलेक्स पेरिस मास्टर्स खिताब से एक जीत दूर हैं। टूर्नामेंट के इतिहास में किसी अन्य खिलाड़ी ने इसे तीन से अधिक बार यह खिताब नहीं जीता है। जबकि जोकोविच छह बार रोलेक्स पेरिस मास्टर्स खिताब जीत चुके है। इसी के साथ उन्होंने मास्टर्स 1000 के इतिहास में सर्वश्रेष्ठ जीत प्रतिशत के मामले में राफेल नडाल को पीछे छोड़ दिया है।

विराट कोहली ने सचिन तेंदुलकर के 49 वनडे शतकों की बराबरी की

नई दिल्ली.

टीम इंडिया के पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप में इतिहास रच दिया है. किंग कोहली ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले गए मुकाबले में दमदार पारी खेलते हुए सेंचुरी जमाई और इस दौरान उन्होंने वनडे में सबसे तेज 49 शतकों का वर्ल्ड रिकॉर्ड बना डाला. भारत के महान सचिन तेंदुलकर को इस मामले में उन्होंने पीछे कर दिया है. टीम इंडिया ने आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप में अपना धमाकेदार खेल जारी रखा. लगातार 7 मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में जगह पक्की करने वाली टीम ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ भी जोरदार बल्लेबाजी की. कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी और महज 10 ओवर में 91 रन ठोक डाले. हिट मैन के आउट होने के बाद मोर्चा विराट कोहली ने संभाला और एक ऐसी पारी खेल डाली जिसने वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया.

विराट कोहली ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

वनडे इंटरनेशनल में भारतीय टीम के स्टार बैटर विराट कोहली ने 49वां शतक जमाया. इस एक पारी की बदौलत उन्होंने कुछ ऐसा कर दिया जिसका इंतजार लंबे समय से किया जा रहा था. कोहली ने 67 गेंद पर 5 चौके जमाते हुए पचास रन पूरे किए थे और इसके बाद पारी को तेज करते हुए अपनी सेंचुरी पूरी की. सचिन तेंदुलकर ने 49 वनडे शतक तक पहुंचने के लिए 452 पारी खेली थी. विराट कोहली ने महज 277 पारी में ही यह कमाल कर दिखाया.

वर्ल्ड कप 2023 में दूसरा शतक

इस वर्ल्ड कप में यह विराट कोहली का दूसरा शतक है. इससे पहले बांग्लादेश के खिलाफ 19 सितंबर को पुणे के मैदान पर शतकीय पारी खेली थी. धर्मशाला में खेले गए अगले ही मुकाबले में कोहली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 95 का स्कोर किया लेकिन शतक से चूक गए. इसके बाद श्रीलंका के खिलाफ मुंबई में भी 88 रन बनाकर अपना विकेट गंवा बैठे.

संक्षिप्त समाचार

पाक की जीत के बाद टीम का मजाक उड़ाने वालों पर बरसे शोएब अख्तर

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ मिली जीत पर खुशी जतायी है। पाक ने बारिश से प्रभावित ये मैच डकवर्थ लुईस नियम से जीता। इससे पाक टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावनाएं बनी हुई हैं। इसी को लेकर अख्तर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, बहुत लोग हमारा मजाक उड़ा रहे थे और आज सबसे देखे लिया कि हमारी टीम क्या कर सकती है। टीम ने विशाल स्कोर का पीछा बड़ी हिम्मत से किया। इस जीत में बल्लेबाज फखर जमां की सबसे अहम भूमिका रही। हम इस विश्व कप में कहीं भी पहुंचे तो इसमें उनका बहुत योगदान होगा। बहुत सारे लोग 402 रनों के लक्ष्य को देखकर पहले ही हिम्मत हार जाते हैं लेकिन फखर ने जो किया वह असान नहीं था। उसने जिम्मेदारी ली और इस बात को भरोसा दिलाया कि रन बाते रहें।। साथ ही कहा, कप्तान बाबर (आजम) ने भी उनका अच्छा साथ दिया पर सबसे काम फखर ने किया। अपनी बल्लेबाजी से उन्होंने विरोधी टीम पर दबाव बनाए रखा। बाबर भी पचास रन पूरे होने के बाद तेजी से खेलने लगा।था। मैच पूरा होता तो हम लक्ष्य तक पहुंच सकते थे।

हसन रजा के बयान पर भड़के वसीम अकरम, कहा- दिमाग ठीक जगह पर नहीं...

नई दिल्ली ।

पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर वसीम अकरम ने हमवतन पूर्व क्रिकेटर हसन रजा को जमकर लताड़ लगाया हैं। जब अकरम से एक शो के दौरान बॉल चेंज करने वाले बयान को लेकर पूछा गया तो वसीम अकरम ने कहा, मैं पिछले कुछ दिनों से इसके बारे में सुन रहा हूं। मुझे इनकी बातें मजाक की तरह लग रही है, क्योंकि इनका दिमाग ठीक जगह पर नहीं है। आप खुद की तो बेइज्जती कराएंगे ही अपने साथ हमारी भी पूरी दुनिया के सामने कराएंगे। अकरम ने आगे कहा कि सब जानते हैं कि अंपायर आते हैं, जो टीम टॉस जीतती है अगर वो बॉलिंग करती है तो एक 12 गेंद का डब्बा होता है। उसमें से कप्तान 2 गेंद को पिक करता हैं। अंपायर दोनों बॉल रख लेता है ताकि अगर गेंद खराब भी हो तो दूसरी पिक की जा सके. इतने लोग बैठे हैं इस प्रोसेस में. पता नहीं ऐसा कौन सोचता है? आपको भारत के गेंदबाजों की तारीफ करनी चाहिए ना कि आप इस तरह की बात करो।

गौरतलब है कि पाकिस्तान की टीम वर्ल्ड कप में खराब परफॉर्म के चलते पाकिस्तान के एक पूर्व क्रिकेटर हसन रजा कुछ ज्यादा ही दुखी हो गए और उनको शायद यह पसंद नहीं आया कि उनकी टीम खराब परफॉर्म क्यों कर रही है। टीम इंडिया के अच्छे प्रदर्शन को देखते हुए उन्होंने आईसीसी पर सवाल खड़े करते हुए यह कह दिया कि भारतीय टीम को मैच के दौरान अलग तरह की गेंद दी जा रही है। इसके लिए उनकी हर तरफ आलोचना हुई. वसीम अकरम भी उनके इस बयान से खुश नहीं हैं। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर हसन रजा ने पाकिस्तान के एक चैनल पर बात करते हुए कहा था कि इस साल कई सारी चीजें इंडिया के फेवर में गई है। चाहे वो रिव्यू हो या कुछ और. मोहम्मद शमी और सिराज ये कैसी बॉलिंग कर रहे हैं। हम भी एक टाइम में खेला करते थे और तब बॉल रिवर्स स्विंग होता था, लेकिन यहां क्या हो रहा है। मुझे लग रहा है कि बॉल चेंज हो जा रही है। पता नहीं इनको आईसीसी बॉल दे रहा है या बीसीसीआई दे रहा है। इसपर आईसीसी को गौर करना चाहिए की यहां क्या चल रहा है।

डेब्यू वर्ल्ड कप में ही रचिन रवींद्र ने जमा ली धाक

नई दिल्ली । वर्ल्ड कप में कई दिग्गज खिलाड़ी खेल रहे हैं और कुछ ने अभी तक अपना दबदबा कायम रखा है। इन खिलाड़ी में केन विलियम्सन, रोहित शर्मा और विराट कोहली सहित कुछ खिलाड़ी शामिल हैं। लेकिन सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ के कॉम्बो ने अपने पहले ही वर्ल्ड कप में धाक जमा दी है। बाकी खिलाड़ सालों तक जो कारनामा नहीं कर सके, वहां भारतीय मूल के रचिन रवींद्र ने डेब्यू वर्ल्ड कप में ही कर दिखाया है। उन्होंने मेगा इवेंट में अपना तीसरा शतक ठोका।रचिन का बल्ला पहले ही मैच से हल्ला बोलता नजर आया। उन्होंने वर्ल्ड कप के पहले ही मैच में ताबड़तोड़ शतकीय पारी खेलकर अपने इरादे दिखा दिए। इसके बाद नीदरलैंड के खिलाफ उन्होंने अर्धशतकीय पारी खेली। वहीं, जब बारी आई टीम इंडिया की जो इस वर्ल्ड कप में गेंदबाजी के लिहाज से सबसे खतरनाक साबित हो रही है। यहां भी उन्होंने 75 रन ठोककर साबित कर दिया। दूसरा शतक रचिन रवींद्र ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ठोका। अब उन्होंने पाकिस्तान की टीम को लपेटे में लिया है। उन्होंने केन विलियम्सन के साथ एक भारी-भरकम साझेदारी की और महज 88 गेंद में अपना शतक ठोक डाला है। रचिन अपने पहले ही वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड के पहले बल्लेबाज बन चुके हैं, जिन्होंने वर्ल्ड कप में तीन शतक लगाए हैं। इसके पहले केन विलियम्सन ने 2019 में दो शतक ठोके थे। उससे पहले मार्टिन गप्टिल ने 2015 में जबकि 1975 में ग्लेन टर्नर ने 2-2 शतक जमाए थे। अब रचिन रवींद्र 3 शतक लगाकर पहले नंबर पर आ चुके हैं। उन्होंने वर्ल्ड कप में 500 रन का आंकड़ा पार कर लिया है।

टीम से बाहर होने पर हार्दिक पांड्या ने कहा, हर खेल की हर गेंद पर टीम के साथ

मुंबई । आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप में अब तक अजेय मेजबान भारत को बड़ा झटका लगा है। क्योंकि टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या अपने टखने की चोट से उबरने में नाकाम रहे हैं। इसकारण उन्हें टीम से बाहर किया गया हैं। विश्व कप से बाहर होने के बाद पांड्या ने कहा कि वह हर खेल की हर गेंद पर टीम का उत्साह बढ़ाएंगे। पांड्या ने एक ट्वीट में लिखा, इस तथ्य को पचाना कठिन है कि मैं विश्व कप के शेष भाग में नहीं खेल पाऊंगा। मैं पूरी भावना के साथ टीम के साथ रहूंगा और हर खेल की हर गेंद पर उनका उत्साहवर्धन करूंगा। सभी की शुभकामनाओं, प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद, यह अविश्वसनीय है। यह टीम विशेष है और मुझे यकीन है कि हम सभी को गौरवान्वित करे। बात दें कि पिछले महीने पुणे में बांग्लादेश के खिलाफ मैच के दौरान गेंदबाजी करते समय पंड्या के बाएं टखने में चोट लग गई थी। बीसीसीआई ने साफ कर दिया है कि 30 वर्षीय खिलाड़ी विश्व कप के शेष अभियान के लिए समय पर ठीक होने में विफल रहे हैं। भारत की टीम में उनकी जगह प्रसिद्ध कृष्णा लेने वाले हैं।कृष्णा ने भारत के लिए सिर्फ 19 सफेद गेंद वाले मैच खेलें हैं। उन्हें आखिरी बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देखा गया था जब उन्होंने विश्व कप से ठीक पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नौ ओवरों में 1/45 लेकर डेविड वार्नर का बेशकीमती विकेट लिया था।

विश्व कप के टिकटों की कालाबाजारी का मामला : कोलकाता पुलिस ने बीसीसीआई को भेजा नोटिस

कोलकाता । ईडन गार्डन्स स्टेडियम में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच रविवार को यहां चल रहे विश्व कप क्रिकेट मुकाबले की टिकटों की कालाबाजारी के आरोपों के बीच कोलकाता पुलिस ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष रोजर बिन्नी को नोटिस जारी कर मुकाबले के टिकटों की बिक्री के बारे में जानकारी मांगी है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शनिवार देर शाम जारी किए गए नोटिस में बीसीसीआई अध्यक्ष से मैदान पुलिस थाने के अधिकारी को दस्तावेज जमा करने के लिए कहा गया है जो टिकटों की कालाबाजारी के संबंध में शिकायतों की जांच कर रहे हैं। अधिकारी ने कहा, 'बीसीसीआई अध्यक्ष को एक नोटिस भेजा गया है जिसमें उनसे व्यक्तिगत या अपने संगठन के किसी सक्षम व्यक्ति के माध्यम से टिकटों की बिक्री के संबंध में प्रासंगिक दस्तावेज मांगे गए हैं। इन दस्तावेजों को मंगलवार को काम के घंटों के दौरान मैदान पुलिस थाने के जांच अधिकारी को उपलब्ध कराने के लिए कहा गया है।' कोलकाता पुलिस ने टिकटों की कालाबाजारी को लेकर अब तक 19 लोगों को गिरफ्तार किया है और उनके कब्जे से 108 टिकट जब्त हुए। इस कड़ी में सात मामले भी दर्ज किए गए हैं।

जब तक फखर थे, हम 450 रन का लक्ष्य भी हासिल कर सकते थे: बाबर आजम

बेंगलुरु,

पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने कहा कि उनका मानना है कि जब तक बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज फखर जमान बल्लेबाजी कर रहे थे, उनकी टीम शनिवार को एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ पुरुष एकदिवसीय विश्व कप मैच में 450 रन का लक्ष्य भी हासिल कर सकती थी।बाबर ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, ÷मेरे दिमाग में यही चल रहा था कि जब तक फखर वहां थे, हम 450 रन का लक्ष्य भी हासिल कर सकते थे। जब वह इस तरह की पारी खेलते हैं तो हम 90त्न मैच जीतते हैं। जब उन्होंने मुझे बताया कि पिच अच्छी थी हमने साझेदारी बनाने और मैच को कम से कम 20 ओवर तक ले जाने का फैसला किया।मूल रूप से 402 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए, फखर और बाबर ने बारिश आने से पहले नाबाद 194 रन की साझेदारी की। ज़मान ने सिर्फ 81 गेंदों में नाबाद 126 रन बनाए, जिससे पाकिस्तान ने बारिश के कारण खेल रुकने से पहले सिर्फ 25.3 ओवर में 200/1 रन बना लिया, जिससे पाकिस्तान को डीएलएस पद्धति से 21 रन से जीत मिली जो टूर्नामेंट में उनकी चौथी जीत थी। हमारे मन में बिल्कुल भी बारिश नहीं थी, क्योंकि आसमान साफ था। लेकिन बादल अचानक आ गए, और फिर हमने डीएलएस की गणना करना शुरू कर दिया और हम पूरे समय इसके साथ रहना चाहते थे। हम विकेट हाथ में रखने की कोशिश कर रहे थे , और मैं इसे गहराई तक ले जाने की कोशिश कर रहा था। फखर छोटी सीमा का उपयोग कर रहा था जबकि मैंने एक छोर पकड़ रखा था और हमने सुनिश्चित किया कि हम रन रेट को नियंत्रण से बाहर न जाने दें। बाबर ने कहा, 'हर छक्के के बाद मैंने उनसे कहा, 'इस मुद्दे को तूल मत दो। उन्होंने कहा ठीक है लेकिन फिर मुझे नजरअंदाज कर दिया और फिर भी छक्के मारने शुरू कर दिए। तो मैंने फिर उनसे कहा, 'जो करना है करो, बस आउट मत होना', (यह) मेरी अब तक देखी सबसे अच्छी पारियों में से एक थी।'

अपनी पारी के बारे में पूछे जाने पर, फखर ने कहा कि यह अभी भी उनकी सर्वश्रेष्ठ पारी नहीं है, उन्होंने जोर देकर कहा कि 2021 में वांडरर्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनकी 193 रन की पारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनकी अब तक की सर्वश्रेष्ठ पारी है।

मैंने जितने भी वनडे खेले हैं, उनमें यह मैच सबसे अधिक संतोषजनकः एडम जम्पा

अहमदाबाद। बेहतरीन गेंदबाजी और निचले क्रम में बल्लेबाजी करते हुए उपयोगी योगदान देने वाले ऑस्ट्रेलिया के स्पिनर एडम जंपा ने चिर प्रतिद्वंद्वी इंग्लैंड के खिलाफ विश्व कप मैच को अपने लिए अभी तक का सबसे संतोषजनक वनडे करार दिया। जम्पा ने 19 गेंद पर 29 रन बनाने के बाद 10 ओवर में 21 रन देकर तीन विकेट भी लिए। इसके अलावा उन्होंने डेविड विली का दौड़ लगाकर शानदार कैच भी लिया। इस लेग स्पिनर ने ऑस्ट्रेलिया की इंग्लैंड पर 33 रन की जीत के बाद कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो मैंने अभी तक जितने भी वनडे मैच खेले हैं उनमें इस मैच का प्रदर्शन सबसे अधिक संतोषजनक रहा।% उन्होंने कहा, 'बल्लेबाजी में योगदान देकर वास्तव में मुझे अच्छा लगा। मैं और मिशेल स्टार्क पारी को लंबा खींचने पर बात कर रहे थे और हमारा दृष्टिकोण सकारात्मक था।जम्पा ने कहा, 'बल्लेबाजी में योगदान और उसके बाद एक बहुत अच्छा कैच लपकना शानदार रहा। मेरे कहने का मतलब है कि मुझे विश्व में सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक नहीं माना जाता है लेकिन इस पर काम करना संतोषजनक रहा जिसके कारण मुझे इस तरह के परिणाम मिले। इसलिए मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं। गेंदबाजी करते हुए उन्होंने खतरनाक दिख रहे बेन स्टोक्स और मोईन अली के अलावा कप्तान जोस बटलर का विकेट लिया। ऑस्ट्रेलिया की सीमित ओवरों की टीम के अहम सदस्य जम्पा को अभी टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण का इंतजार है। उन्होंने कहा, 'नहीं, उतना मुश्किल नहीं है (यह स्वीकार करना कि उन्हें इस साल की शुरुआत में भारत दौरे के लिए नहीं चुना गया था)। मुझे टीम में चयन की उम्मीद थी। मैं टेस्ट क्रिकेट खेलना पसंद करूंगा और चाहूंगा कि मुझे इस तरह का मौका मिले।

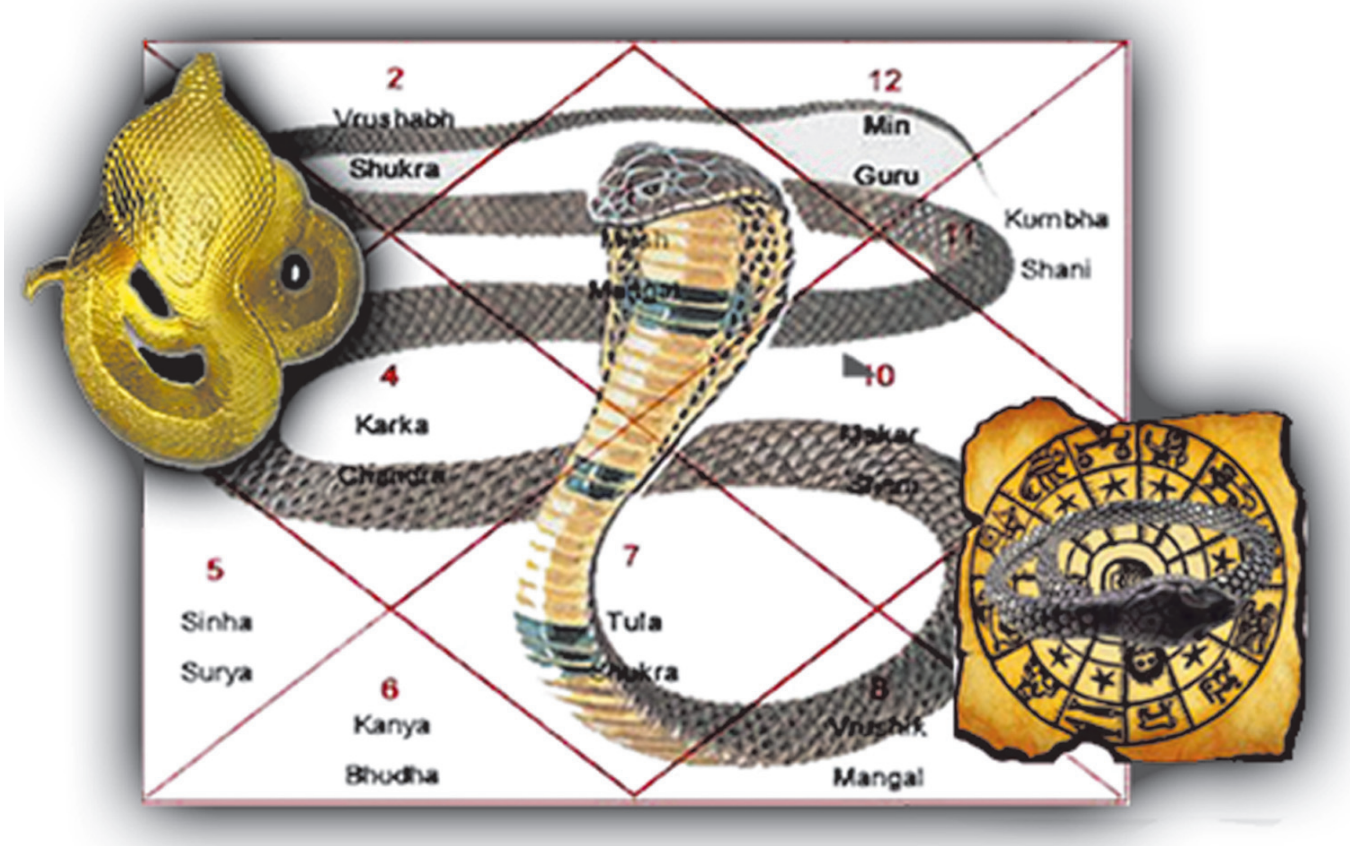

कालसर्प योग की सच्चाई!

प्राचीन भारतीय ज्योतिष में कहीं भी कालसर्प योग का उल्लेख नहीं है। केवल एक जगह एक सामान्य सर्प योग के बारे में जानकारी है। उसमें भी इतना ही लिखा है कि राहू और केतु के मध्य सभी ग्रह होने पर सर्प योग बनता है। फर्ज कीजिए मेष में राहू है और तुला में केतु इसके साथ सारे ग्रह मेष से तुला या तुला से मेष के बीच हों। इसे सर्प योग कहा जाएगा।

ऐसा माना गया है कि राहू सरीसृप है और इसके सिर से पूंछ के बीच सारे ग्रह हैं। इसका फल भी जातक कुंडली के बजाय मंडेन ज्योतिष पर बताया गया है। यानी देश और शासक पर इस योग का बुरा फल होता है। हम सांख्यिकी के आधार पर देखें तो दुनिया के तीस प्रतिशत से अधिक लोगों की कुंडली में कालसर्प योग विद्यमान होने की स्थिति बनती है। ऐसे में एक ही अस्पताल में एक घंटे के अंतराल में पैदा हुए दो जातकों की कुंडली में कालसर्प होगा, लेकिन इनमें से एक सफल और दूसरा विफल जातक बन सकता है। छह अरब की जनसंख्या में से 180 करोड़ लोग एक ही योग के दुष्प्रभाव से ग्रसित हों, यह व्यावहारिक रूप से संभव नहीं लगता।

ज्योतिषी बी.वी. रमन ने अपनी पुस्तक तीन सौ महत्वपूर्ण योगज् के आखिर में एक अतिरिक्त अध्याय लिखकर इस योग के प्रति लोगों में बढ़ रही भ्रांति के प्रति चिंता प्रकट की। उन्होंने लिखा है कि कालसर्प योग को अनावश्यक महत्व नहीं देना चाहिए। कुछ ज्योतिषी इसका असर आयु तो कुछ उन्नति से जोड़ते हैं, लेकिन किसी योग के बजाय सम्पूर्ण कुंडली से विश्लेषण से ही सही निष्कर्ष निकल सकता है कि जातक में सफल या विफल होने की कितनी स्थितियां बन रही हैं। कोई एक योग पूरी कुंडली का फल देने में सक्षम नहीं होता। उन्होंने कहा कि मंडेन ज्योतिष में हो सकता है कि इस योग का अधिक असर दिखाई दे, लेकिन व्यक्तिगत कुंडली में इसका अधिक महत्व नहीं। रमन ने तो कालसर्प योग वाले जातक को अपनी क्षमता पहचानने वाला, राजयोग होने पर उच्च पद पर पहुंचने और आध्यात्मिक मामलों में ऊंचाइयां छू सकने वाला बताया है। कालसर्प की बाधा के निवारण के लिए अब उपायों की एक लंबी सूची भी बन चुकी है। हालांकि शुरू में जब कालसर्प योग के विभाजन प्रकाश में नहीं आए थे, तब तक साल में एक या दो बार नासिक के त्र्यंबकेश्वर मंदिर में पूजा कराई जाती थी। बाद में सांप छोडने और सांप की आकृति की चांदी की अंगूठी पहनाने जैसे कई उपचार प्रचलित हुए। अब तो उपचारों की बाढ़ सी आ गई है परंतु इन उपचारों के पीछे किसी तरह का भी कोई लॉजिक नहीं बताया गया है।

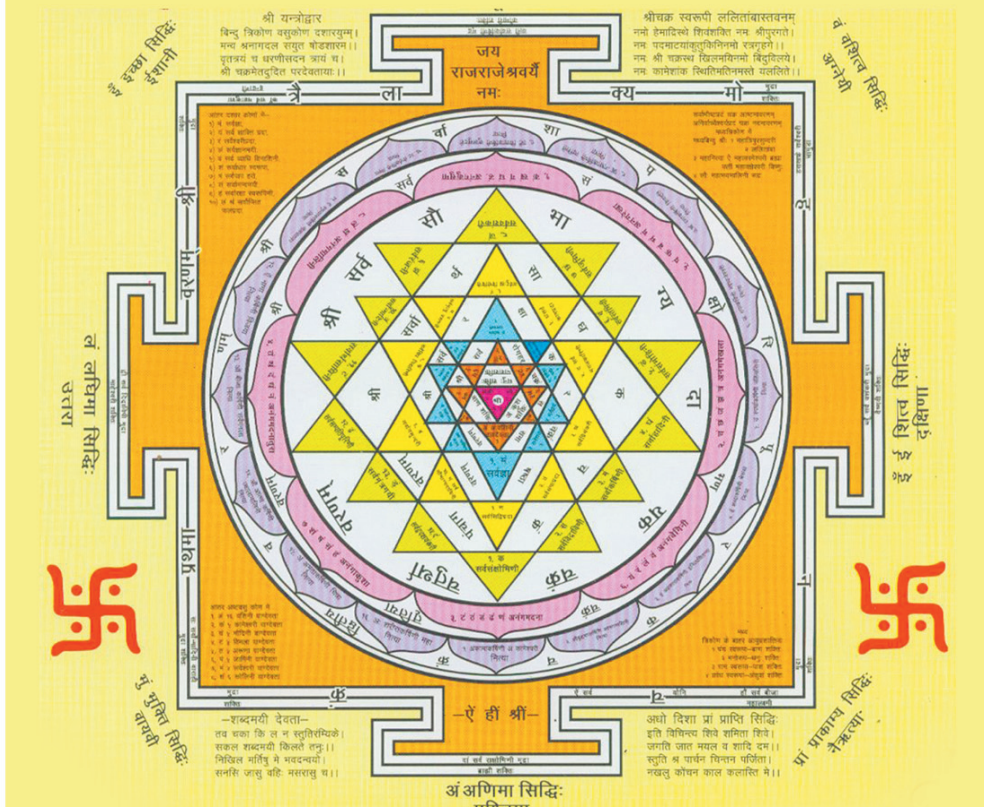

यंत्रों से करें अपने ग्रह अनुकूल

श्री यंत्र

आर्थिक उन्नति और भौतिक सुख-संपदा के लिए इससे बेहतर कोई यंत्र नहीं है। लक्ष्मी जी को प्रसन्न करने और व्यापार वृद्धि के लिए श्रीयंत्र सर्वश्रेष्ठ है। श्रीयंत्र आर्थिक ऋण से मुक्ति दिलाता है और साथ ही मनोकामनाएं भी पूरी करता है। इसे केसर मिले हुए दूध से नहलाकर पूजन स्थल, व्यावसायिक स्थल, कार्यालय, घर या किसी भी शुद्ध स्थान पर लाल रेशमी कपड़े पर स्थापित करना चाहिए। धर्मशास्त्रों एवं तांत्रिक ग्रंथों में इसे यंत्रराज की संज्ञा भी दी गई है। श्रीयंत्र साक्षात लक्ष्मी जी का प्रतीक एवं सर्वविद्या रक्षा का एक साधन है, जो यमराज की कुदृष्टि से भी रक्षा करता है, क्योंकि इसमें अनेक देवी-देवताओं का वास है। जिस घर में श्रीयंत्र स्थापित होता है, वह घर-परिवार सर्वत्र मंगलमय सुख एवं शांति अनुभव करता है। सोने में बना श्रीयंत्र आजीवन, चांदी से बना श्रीयंत्र 22 वर्ष, तांबे से बना श्रीयंत्र 12 वर्ष तथा भोजपत्र पर लिखित श्रीयंत्र 6 वर्ष तक शुभ फल देता है। सदाचारी, विद्वान, धर्मज्ञ, अपने माता-पिता की सेवा करने वाले, रोज पुण्य प्राप्त करने वाले, क्षमा करने वाले, बुद्धिमान, दयावान तथा गुरु की सेवा करने वाले व्यक्ति के घर श्रीयंत्र अधिक लाभ देता है।

कुबेर यंत्र

जिन लोगों पर निरंतर कर्जा बना रहता है, व्यापार में लगाया धन डूब जाता है, व्यापार नहीं चलता हो, घर में बरकत न होती हो, दरिद्रता कभी साथ नहीं छोड़ती हो, किए गए कर्म या मेहनत का पूर्ण फल न मिलता हो तो उनको श्री कुबेर की आराधना अवश्य करनी चाहिए। यदि अपने कर्त्तव्यों का निष्ठा से पालन करते हुए श्रीकुबेर की उपासना की जाए तथा पूजा घर में कुबेर यंत्र स्थापित किया जाए तो वे निश्चित प्रसन्न होकर व्यापार वृद्धि, धन वृद्धि, ऐश्वर्य, लक्ष्मी कृपा प्रदान कर घर में सुख-समृद्धि एवं सौभाग्य में वृद्धि करते हैं। कुबेर की उपासना वैसे तो कभी भी की जा सकती है, लेकिन होली, दीपावली या शुक्रवार को की जाए तो अतिशीघ्र उत्तम फल प्राप्त होते देखे गए हैं।

सरस्वती यंत्र

शिक्षा संबंधी सफलता के लिए सरस्वती यंत्र की पूजा किसी वरदान के सच होने जैसी है। यह यंत्र शिक्षा में आने वाली सभी बाधाएं दूर करता है। छह मुखी नेपाली रूद्राक्ष व शुद्ध पन्ना चांदी में जड़े हुए सरस्वती कवच को धारण करने से भी शिक्षा के क्षेत्र में आने वाली सभी बाधाएं समाप्त हो जाती हैं। बच्चों का मन पढ़ाई की ओर लगने लग जाता है। सरस्वती यंत्र स्थापित करने व रूद्राक्ष + रत्न कवच धारण करने से विद्यार्थियों को बहुत लाभ मिलता है।

महामृत्युंजय यंत्र

हमारे वेद शास्त्रों में सभी रोगों से मुक्ति के लिए महामृत्युंजय यंत्र और मंत्र की साधना का विशेष महत्व बताया गया है। महामृत्युंजय यंत्र की स्थापना करके नित्य दर्शन-पूजन करके कोई भी व्यक्ति जीवन में आरोग्यता प्राप्त कर सकता है। इससे शारीरिक शक्ति प्रबल होती है, जिससे व्यक्ति के रोगी होने की संभावना नहीं रहती। महामृत्युंजय यंत्र केवल शारीरिक तथा मानसिक व्याधियों से ही नहीं, मृत्यु से भी रक्षा करता है।

संतान गोपाल यंत्र

निःसंतान होने का दुख वही समझ सकता है, जिसकी गोद अब तक सूनी हो। अपने वंश को आगे बढ़ाने के लिए संतान उत्पन्न करना ही पति-पत्नी का धर्म होता है, लेकिन दुर्भाग्यवश यदि उचित प्रयासों के पश्चात भी संतान न हो तो इसका दुख बहुत होता है। ऐसे में 'संतान गोपाल यंत्र' पूजाघर में स्थापित कर सकते हैं। 'गर्भरक्षा' के लिए 'गर्भ रक्षा यंत्र' सहायक हो सकता है।

मंगल यंत्र

ज्योतिष शास्त्र में मंगल को क्रूर व अशुभ ग्रह माना है। शुभ होने पर यह बल, क्षमता तथा सम्पत्ति में वृद्धि करता है और जातक को जीवन के सभी क्षेत्रों में सफलता बड़ी आसानी से मिलती चली जाती है। विवाह में अनावश्यक देरी तथा दांपत्य जीव में तनाव व लड़ाई झगड़ा मांगलिक दोष के अनिष्ट परिणामों में सम्मिलित है। मंगलग्रह से संबंधित दोष निवारण का एक उपाय 'श्रीमंगल यंत्र' भी है। 'श्रीमंगल यंत्र' न केवल विवाह बाधा, दाम्पत्य जीव में अनबन, रक्त विकार, कोर्ट कचहरी से जुड़े मामलों व दुर्घटनाओं के निवारण में ही लाभदायक हैं, बल्कि ब्लड प्रैशर को नियंत्रित करके मानसिक व शारीरिक रूप से स्वस्थ बनाकर बेहतर भविष्य दे सकता है।

चंद्र देवता कैसे बनातें हैं व्यक्ति को धनवान

चंद्र देवता हिंदू धर्म के अनेक देवताओं में से एक हैं उन्हें जल तत्व का देव कहा जाता है। पुराणों के मतानुसार देव और दानवों द्वारा किए गए सागर मंथन से जो 14 रत्न निकले थे उनमें से एक चंद्रमा भी थे। जिन्हें भगवान शंकर ने अपने सिर पर धारण कर लिया था। प्रजापितामह ब्रह्मा ने चंद्र देवता को बीज, औषधि, जल तथा ब्राह्मणों का राजा बनाया। चंद्र देव मन के कारक ग्रह हैं।

नवग्रहों में इनका स्थान द्वितीय है। चंद्रमा की प्रतिकूलता से भौतिक रूप से मनुष्य को मानसिक कष्ट तथा श्वास आदि के रोग हो जाते हैं। शुभ चंद्र व्यक्ति को धनवान बनाते हैं, सुख और शांति देते हैं, भूमि और भवन के मालिक चंद्रमा से चतुर्थ में शुभ ग्रह होने पर घर संबंधी शुभ फल मिलते हैं।

- सुबह उठते ही अपनी माता के पैर छू कर आशिष लें।
- सोमवार को विशेष रूप से शिव जी भगवान की पूजा अर्चना करें।
- सोमवार का व्रत करें।
- पानी या दूध को साफ पात्र में सिरहाने रखकर सोएं और सुबह शद्ध होकर कीकर के वृक्ष की जड़ में डाल दें।
- चावल, सफेद वस्त्र, शंख, वंशपात्र, सफेद चंदन, श्वेत पुष्प, चीनी, बैल, दही और मोती दान करें।
- श्री महाभारत में लिखा है कि पूर्णिमा को चंद्रोदय के समय तांबे के बर्तन में मधुमिश्रित पकवान को यदि चंद्र देवता को अर्पित किया जाए तो इससे चंद्र देवता को तृप्ति तो होती ही है साथ ही साथ आदित्य, विश्वदेव, मरुद्गण, वायुदेव तथा अश्विनीकुमार भी प्रसन्न एवं तृप्त हो जाते हैं।

श्री शनिदेव की अनुकंपा पानी हो तो...

शनिवार कर्मानुसार दंड देने वाले न्यायाधीश श्री शनिदेव का दिन है। शनिग्रह सौरमंडल के सबसे खूबसूरत ग्रह और साक्षात भगवान सूर्य और उनकी पत्नी छाया के पुत्र हैं। वे न्यायप्रिय ग्रह हैं, जीवों को उनके कर्मो के आधार पर फल देते हैं। यदि उनकी अनुकंपा पानी हो तो अपना कर्म सुधारें। आपका जीवन अपने आप सुधर जाएगा।

- ऊँ खां खीं खों सः शनये नमः मंत्र का 23000 बार जाप करें, आकस्मिक संकट ओर दुर्भाग्य से मुक्ति के लिए।
- ऊँ ऐं ह्रीं श्रीं शनेश्चराय नमः का 11 माला जाप प्रत्येक शनिवार करें और पाइए कुष्ठ रोग से मुक्ति।
- नीले फुल, चन्दन से शनिदेव की पूजा करें और तेल का दीपक जलाएं। ऐसा करने से आकस्मिक संकट ओर दुर्भाग्य से मुक्ति मिलेगी।
- ऊँ शं शनेश्चराय नमः मंत्र का जाप प्रत्येक शनिवार 5 माला करने पर कमर दर्द से मुक्ति मिलती है। इसके अतिरिक्त कमर दर्द से मुक्ति हेतु धारण करें कटेला (कटहला) रत्न।
- अगर आपकी जन्मकुंडली में दुर्घटना योग आकस्मिक संकट योग शारीरिक पीड़ा योग बना हुआ है तो 11 शनिवार लगातार 11-11 पीस सरसों तेल की भजिया (पकोड़ी) अपने शरीर से 9 बार उसार कर कौओ को खाने के लिए डाल देवें।
- श्री शनिदेव को ऐसे व्यक्तियों से सख्त नफरत है जो शराब पीता हो ओर पर स्त्री गमन करता हो अतः इन आदतों से दूर रहें।

अनिष्ट शक्तियों के कष्ट से बचने के लिए सुरक्षात्मक उपाय

गुरुवार देवताओं के गुरु बृहस्पति देव जी का दिन है। महर्षि अंगिरा के पुत्र बृहस्पति देव विद्या, बुद्धि, सुख, सौभाग्य के दाता हैं। जीवन के इन पक्षों से संतुष्ट व्यक्ति निःसंदेह भाग्यशाली होगा। एक महत्वपूर्ण ग्रंथ के श्लोक में वर्णित है कि ब्रह्मा ने कष्ट एवं दुःख के भवसागर को पार करने के लिए बृहस्पति और शुक्र नामक दो चप्पू बनाए। इनकी सहायता से व्यक्ति दोष रूपी समंदर को पार करके दूसरे किनारे पहुंच सकता है, जहां शुभ कर्म हैं अत- सात्विक गुणों के प्रदाता बृहस्पतिदेव ही हैं। जातक के अन्दर आध्यात्मिक ताकत का उदय बृहस्पति भगवान की पूजा से प्राप्त हो जाता है।

गुरु के लिए उपाय

- विवाह में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए बृहस्पति देव के समक्ष घी का दीपक जलाकर, हल्दी का तिलक लगाएं, पीले फूल चढ़ाएं, केसर वाली पीली बर्फी का भोग लगाएं और ? ऐं क्लीं बृहस्पतये नमः मंत्र का जाप हल्दी गांठ की माला पर करें।
- अगर आपको कंठमाला या गले सम्बंधित रोग हैं तो ऊँ ऐं क्लीं बृहस्पतये नमः मंत्र का नियमित जाप गुरुवार से प्रारंभ करते हुए रोजाना करें।
- अगर आप को नींद नहीं आती तो गुरुवार के दिन केवांच की जड़ पीसकर माथे पर लगा लें 11 गुरुवार लगाने से अनिद्रा की शिकायत दूर हो जाएगी।
- गुरुवार को शुभ मुहूर्त में पीपल की समिधाओं से हवन करने से पारिवारिक कलह और शत्रु पीड़ा से मुक्ति मिलती है।
- अविवाहित कन्या शुक्ल पक्ष के 11 गुरुवार थोड़ी सी हल्दी जल में डालकर स्नान करे तो उसकी शादी शीघ्र हो जाती है।
- अगर आप चाहती हैं आप का पति आपसे खुश रहे और आपके प्रति उनका प्रेम लगातार बढे तो महीने में एक गुरुवार पूरे शरीर पर हल्दी का उबटन जरुर लगाएं।
- गुरुवार के दिन जलकुम्भी और 5 हल्दी की गांठ पीले कपड़े में लपेट कर तिजोरी में रखने से धन की बढ़ोतरी होती है।

गुरु का दान- घी, शहद, हल्दी, पीले वस्त्र, शास्त्र पुस्तक, पुखराज, लवण, कन्याओं को भोजन, वृद्धजन, विद्वान एवं गुरूओं की सेवा करें।

गुरु का व्रत- 1 या 3 वर्ष अथवा 16 गुरूवार व्रत रखें।

गुरु की पूजा- गुरूवार को केले के वृक्ष के दर्शन करें तथा पूजा करके हल्दी एवं सरसों मिलाकर जल प्रदान करें।

गुरूवार के दिन ध्यान रखें- जब गुरु अकारक हो तो स्वयं गुरूवार को केला नहीं खाएं, बल्कि केले के फल का दान दें।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ब्लिंकन ने अरब नेताओं से गाजा के भविष्य की योजनाओं पर समर्थन मांगा

अम्मान । अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने युद्ध समाप्ति के बाद गाजा के भ?विष्य की योजनाओं पर अरब नेताओं से समर्थन मांगा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार इजराइल-हमास के बीच संघर्ष शुरू होने के बाद से एक बार फिर पश्चिम एशिया पहुंचे और शनिवार को अरब देशों के नेताओं से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने युद्ध समाप्त होने के बाद गाजा के भविष्य की योजना पर चर्चा की। अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि अरब देशों का समर्थन गाजा में बिगड़ती स्थिति को संभालने के प्रयासों के लिए महत्वपूर्ण होगा। साथ ही वे इस पर भी विचार कर रहे हैं कि अगर इजराइल हमास को खत्म करने में कामयाब हो जाता है, तो उसकी जगह कौन लेगा। बता दें कि जॉर्डन की राजधानी अम्मान में ब्लिंकन ने अधिकारियों से बात की। इससे एक दिन पहले इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहू ने ब्लिंकन की इस दो टूक चेतावनी को नजरअंदाज कर दिया। इससे कहा जा सकता है ?कि अगर इजराइल गाजा में मानवीय संकट को कम नहीं करता है तो वह फलस्तीनियों के साथ अंतत: शांति समझौते की कोई भी उम्मीद खो सकता है। इस पर अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा कि ब्लिंकन ने लेबनानी लोगों की इच्छा के विरुद्ध लेबनान को युद्ध में धकेलने से रोकने के लिए मिकाती का आभार व्यक्त किया। ब्लिंकन ने गाजा में नागरिकों के लिए मानवीय सहायता सुनिश्चित करने के अमेरिकी प्रयासों पर भी चर्चा की। ब्लिंकन ने फलस्तीनी शरणार्थियों की मदद में जुटी संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी के प्रमुख से भी मुलाकात की और गाजा में मानवीय मदद पहुंचाने के लिए एजेंसी का आभार व्यक्त किया। बता दें कि युद्ध में एजेंसी के करीब 70 कर्मचारियों की मौत हो चुकी है और एजेंसी के पास भोजन, दवाएं और ईंधन जैसी वस्तुएं खत्म होती जा रही है।

नेपाल में आए भूकंप में 157 पहुंचा मौत का आंकड़ा, हजारों लोग हुए बेघर

काठमांडू । नेपाल में आए विनाशकारी भूकंप के कारण अब तक 157 लोगों की मौत होने की जानकारी मिली है। यहां पर बड़ी संख्या में मकानों के क्षतिग्रस्त या नष्ट होने के कारण देश के पश्चिमोत्तर हिस्से के पर्वतीय गांवों में हजारों लोगों को कड़ाके की ठंड के बावजूद रात को बाहर सड़कों पर सोना पड़ा है। गौरतलब है कि नेपाल में शुक्रवार रात अचानक आए भूकंप से जाजरकोट जिले के गांवों में अधिकतर मकान या तो ढह गए या गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि कस्बों में कंक्रीट के कुछ मकान क्षतिग्रस्त हो गए। चिउरी गांव के निवासी लाल बहादुर बीका ने भूकंप के कारण मारे गए 13 लोगों के सफेद कपड़ों में लिपटे शवों की ओर इशारा करते हुए कहा कि हम अपने गांवों में मारे गए लोगों के शवों के अंतिम संस्कार का इंतजार कर रहे हैं और भूकंप में घायल हुए लोगों की देखभाल करने की कोशिश कर रहे हैं। बता दें कि चिउरी गांव में कई मकान ढह गए हैं। लोगों ने रात में खुद को गर्म रखने के लिए प्लास्टिक की चादरों और पुराने कपड़ों का उपयोग किया। इसी तरह कई लोग अपने ढह चुके मकानों के मलबे के नीचे से अपना सामान निकालने में असमर्थ हैं। बचावकर्मी तत्काल सहायता पहुंचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन कई पहाड़ी गांवों तक पैदल ही पहुंचा जा सकता है जिसके कारण अभियान में बाधा पैदा हो रही है। भूकंप के कारण हुए भूस्खलन से सड़कें भी अवरुद्ध हो गई हैं। यहां पर सैनिकों को अवरुद्ध सड़कों को साफ करने की कोशिश करते देखा जा सकता है। देश के उपप्रधानमंत्री नारायण काजी श्रेष्ठ ने कहा कि सरकार प्रभावित क्षेत्रों में सहायता पहुंचाने की कोशिश कर रही है। हजारों लोगों के रातों-रात बेघर हो जाने के कारण तंबू, भोजन और दवाइयां भेजी गई हैं। क्षेत्रीय अस्पताल में भर्ती घायलों में शामिल बिमल कुमार कार्की ने कहा कि मैं गहरी नींद में था तभी अचानक सब जोर से हिलने लगा। मैंने भागने की कोशिश की लेकिन मेरा पूरा मकान ढह गया। मैंने बच कर भागने का प्रयास किया लेकिन मेरा आधा शरीर मलबे में दब गया। बचावकर्मियों को मुझ तक पहुंचने में लगभग आधे से एक घंटे का समय लग गया।

फायरिंग पश्चात हैम्बर्ग विमानतल से उड़ाने रद्द

हैम्बर्ग । उत्तरी जर्मनी के हैमबर्ग शहर में शनिवार रात सुरक्षा घेरे को तोड़कर विमानतल परिसर में एक वाहन के प्रवेश पश्चात विमानतल में बंद कर दिया गया और उड़ानें रद्द कर दी गयीं। संघीय पुलिस सूत्रों ने बताया कि विमानतल में एक कारचालक ने अनाधिकृत प्रवेश कर हवा में दो बार फायरिंग की जिससे परिसर में हड़कंप मच गया।गोलियां चलाने के बाद व्यक्ति ने दो जलती हुई बोतलों को कार से बाहर फेंक दिया।हालांकि इस हमले में कोई घायल नहीं हुआ लेकिन हवाईअड्डे को बंद कर दिया गया। जर्मनी पुलिस ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि वह एक बड़ा ऑपरेशन कर रहे हैं, जिसके कारण जर्मन शहर हैम्बर्ग के हवाई अड्डे को बंद कर दिया गया है। पुलिस ने यह भी बताया कि आरोपी की पत्नी ने एक बच्चे की अपहरण की आशंका को लेकर पहले उनसे संपर्क किया था। कई स्थानीय जर्मन मीडिया संगठनों ने बताया कि आरोपी व्यक्ति की कार में दो बच्चे थे। संघीय पुलिस प्रवक्ता थॉमस गर्बर्ट ने बताया कि बड़ी संख्या में राज्य और संघीय पुलिस के अधिकारी घटनास्थल और वाहन के आसपास मौजूद हैं।

अमेरिका में फिलिस्तीन समर्थकों ने की शर्मनाक हरकत, राष्ट्रीय स्मारक तोड़े

वाशिंगटन। इजराइल और हमास आतंकियों के बीच छिड़ी जंग से दुनिया में हलचल मची हुई है। जहां अमेरिका ने इजराइल को समर्थन दिया है वहीं फिलिस्तीन नागरिक यूएस के विरोध में आ गए हैं। अमेरिका में रहने वाले फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारियों ने अमेरिका के राष्ट्रीय स्मारकों को तोड़ दिया है। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। इजराइल और हमास के बीच छिड़ी जंग के बीच अमेरिका के लिए शर्मनाक दिन है, क्योंकि यहां फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारियों ने एंड्रयू जैक्सन की मूर्ति, द जनरल मार्क्विस डी लाफायेट की मूर्ति, बेंजामिन फ्रैंकलिन की मूर्ति सहित अमेरिका के राष्ट्रीय स्मारकों को तोड़ दिया है। वीडियो में दिख रहा है कि फिलिस्तीन समर्थक इन मूर्तियों के साथ छेड़छाड़ कर रहे हैं। इन लोगों ने फलस्तीनी झंडे थामे फलस्तीन जीतेगा के नारे भी लगाए। इसके अलावा इन प्रदर्शनकारियों ने व्हाइट हाउस में भी सेंध लगाने की कोशिश की है। अमेरिका के अलावा फ्रांस की राजधानी पेरिस, जर्मनी की राजधानी बर्लिन और अन्य यूरोपीय शहरों में फलस्तीनी समर्थक हजारों लोगों में गाजा में इजराइली बमबारी रोकने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। जानकार बता रहे हैं कि ये प्रदर्शन इजराइल-हमास युद्ध में हताहतों की बढ़ती संख्या और गहराते मानवीय संकट को लेकर यूरोप के खासकर उन देशों में बढ़ रहे असंतोष को दर्शाता है, जहां मुस्लिम आबादी अधिक है। मध्य लंदन में प्रदर्शनकारियों ने संघर्ष विराम अभी करो और 'मुझे विश्वास है कि हम जीतेंगे जैसे नारे लगाते हुए सड़कों को अवरुद्ध कर दिया। इधर पेरिस में कुछ प्रदर्शनकारियों ने 'गाजा में नरसंहार रोको के बैनर दिखाए और फलस्तीनी झंडे थामे कई लोगों ने 'फलस्तीन जीवित रहेगा, फलस्तीन जीतेगा के नारे लगाए। कुछ प्रदर्शनकारियों ने 'मैक्रों की मिलीभगत के नारे लगाते हुए फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों पर भी निशाना साधा। हमास संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार इजराइल-हमास युद्ध में मारे गए फलस्तीनियों की संख्या बढ़कर 9,448 हो गई है। गाजा में 24,173 और वेस्ट बैंक में 2,200 फलस्तीनी घायल हुए है। जबकि इजराइल में 1,400 से अधिक लोगों की मौत हुई है। इनमें से अधिकतर लोगों की मौत सात अक्टूबर को हमास के शुरुआती हमले में ही हुई। इसी हमले के बाद से यह युद्ध शुरू हुआ है। इन हमलों में करीब 2,50,000 इजराइली और गाजा में 15 लाख से अधिक फलस्तीनी विस्थापित हुए हैं। इसके अलावा गाजा में कम से कम 241 लोगों को बंधक बनाया गया है।

इजरायली सेना के खूंखार कुत्तों के अटैक से हमास के लड़ाके हुए ढेर

गाजा । हमास ने भले ही गाजा में सुरंगों का जाल बिछा रखा है, लेकिन अब इजरायली सेनिकों ने हमास को सुरंग से बाहर निकालने का नया तरीका खोज निकाला है। इन दिनों एक वीडियो खूब वायरल हो रहा है, जिसमें हमास के लड़ाकों पर खूंखार कुत्ते छोड़े जा रहे हैं। विशेषज्ञों की मानें तो सुरंगों के इस मायाजाल के कारण ही इजरायल की सेना गाजा पर सीधे चढ़ाई करने की जगह, फूंक-फूंककर कदम रख रही है। इसलिए हमास के इस चक्रव्यूह को तोड़ने के लिए इजरायली सेना ने नई तरकीब निकाली है। इजरायल की सेना (आईडीएफ) अब फिलिस्तीन के आतंकी संगठन हमास के लड़ाकों पर अपने खूंखार कुत्तों को छोड़ रही है, जो खोज-खोजकर हमास के लड़ाकों को ढेर कर रहे हैं। इसकी बानगी इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के ऑफिस के प्रवक्ता के सोशल मीडिया पोस्ट पर भी देखी गई है।

रोम में इटली की वायुसेना सैन्य दिवस पर आयोजित समारोह में अपने कौशल का प्रदर्शन करती हुई।

एयर इंडिया को पन्नू की धमकी

ओटावा । अमेरिका स्थित प्रतिबंधित सिख फॉर जस्टिस संगठन के प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नू ने है कि 19 नवंबर से दुनियाभर में एयर इंडिया की उड़ाने नहीं चलने दी जायेंगी।खालिस्तानी आतंकी ने कहा कि यह वही दिन है, जिस दिन क्रिकेट विश्व कप का फाइनल मैच होगा। उसने कहा कि एयर इंडिया से ट्रैवल करने वाले को जान का खतरा हो सकता है। सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर करते हुए पन्नू ने कहा कि हम 19 नवंबर को सिख समुदाय से एयर इंडिया की उड़ाने से यात्रा नहीं करने का आग्रह कर रहे हैं। ये एक वैश्विक नाकाबंदी होगी। पन्नू ने आगे दावा किया कि दिल्ली का इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट 19 नवंबर को बंद रहेगा और इसका नाम बदल दिया जाएगा। गौरतलब है कि इससे पहले 10 अक्टूबर को पन्नू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इजरायल-फिलिस्तीन युद्ध से सबक की धमकी दी थी, ताकि भारत में भी इसी तरह की प्रतिक्रिया न हो। सिख फॉर जस्टिस संगठन का मुखिया पन्नू भारत का वांटेड आतंकी है। पूरे देशभर में उसके खिलाफ 16 केस दर्ज हैं। दिल्ली, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और उत्तराखंड में खालिस्तानी मूवमेंट को लेकर उस पर ये केस दर्ज किए गए हैं। उस पर पंजाब के सरहिंद में यूएपीए के तहत मामला दर्ज है। यानी कि अनलॉफुल एक्टिविटी (प्रिवेन्शन) एक्ट के तहत उसे कुल 9 मामलों में आरोपी माना गया है। गौरतलब है कि गुरपतवंत सिंह पन्नू का जन्म पंजाब मे 14 फरवरी 1967 को हुआ था। पन्नू ने साल 2007 में सिख फॉर जस्टिस संगठन बनाया था। जुलाई 2020 में भारत ने पन्नू को आतंकी घोषित किया था। पन्नू आईएसआई की मदद से खालिस्तान की मुहिम चला रहा है।

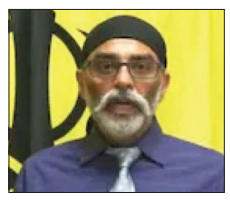

जस्टिन ट्रूडो के बयान के कारण निज्जर मर्डर केस में आया पेंच

-भारतीय दूत ने कनाडा से मांगे सबूत, अवैध वायरटैप की मांगी जानकारी

ओटावा (एजेंसी)। कनाडा ने भले ही खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का आरोप भारत पर लगाया है, लेकिन आज तक कोई सबूत पेश नहीं किए गए। अब भारतीय दूत ने एक बार फिर कनाडा को आड़े हाथों लिया है। कनाडा में भारत के उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा ने फिर सबूत मांगते हुए शुक्रवार को मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में यह मांग की है। गौरतलब है कि ट्रूडो ने निज्जर की हत्या में भारत सरकार के एजेंटों की संलिप्तता का आरोप लगाया था। उन्होंने दावा किया था कि उनके पास इसकी खुफिया जानकारी है। भारत ने आरोपों को बेतुका कहकर खारिज कर दिया था। साथ ही कनाडा के फैसले का विरोध करते हुए एक कनाडाई राजनयिक को भारत से निष्कासित कर दिया था। संजय कुमार वर्मा ने इस बात पर जोर दिया कि निज्जर की हत्या में भारत की कथित संलिप्तता के बारे में कनाडा या उसके सहयोगियों द्वारा भारत को ठोस सबूत नहीं दिखाए गए हैं। उन्होंने यह भी कहा है कि हत्या की जांच कर रही कनाडाई पुलिस की कार्रवाई पर पीएम ट्रूडो के सार्वजनिक बयानों से असर हुआ है।

वर्मा ने कहा कि इस मामले में हमें जांच में सहायता के लिए कोई विशेष या प्रासंगिक जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई है। उन्होंने कहा कि सबूत कहां हैं? जांच का निष्कर्ष कहां है मैं एक कदम आगे बढ़कर कहूंगा कि अब जांच पहले ही दागदार हो चुकी है। पिछले महीने भारत द्वारा राजनयिक ताकत में समानता पर अपनी चिंताओं से अवगत कराने के बाद कनाडा ने

भारत से 41 राजनयिकों को वापस बुला लिया था। कनाडा ने चंडीगढ़, मुंबई और बेंगलुरु दूतावासों में अपनी वीजा और कांसुलर सेवाएं भी रोक दीं। हत्या में भारत की भूमिका को सिरे से नकारते हुए वर्मा ने कहा कि राजनयिकों के बीच किसी भी बातचीत को अदालत में सबूत के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है। इसे सार्वजनिक रूप से भी जारी नहीं किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि आप अवैध वायरटैप के बारे में बात कर रहे हैं। दो राजनयिकों के बीच बातचीत सभी अंतरराष्ट्रीय कानूनों द्वारा सुरक्षित है। मुझे दिखाओ कि आपने इन वार्तालापों को कैसे रिकॉर्ड किया। मुझे बताओ कि किसी ने आवाज की नकल तो नहीं की है। वर्मा ने कहा कि मुझे लगता है कि यह केवल नफरत फैलाने वाला भाषण है और हिंसा को उकसाने वाला है। मैं अपनी सुरक्षा और संरक्षा को लेकर चिंतित हूं। मैं अपने महावाणिज्य दूत की सुरक्षा और संरक्षा को लेकर चिंतित हूं। भगवान न करे कि कुछ हो जाए। उन्होंने कहा कि भारत को उम्मीद है कि कनाडा खालिस्तान समर्थकों पर लगाम जरुर लगाएगा।

चुनावी चिंता को लेकर इजराइल पर बदले बाइडेन के सुर

तेलअवीव (एजेंसी)। अमेरिका के शीर्ष राजनयिक गाजा युद्ध में मानवीय विराम के लिए पश्चिम एशियाई देश पर दबाव डालने के लिए इजराइल में हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री एंथनी ब्लिंकन ने अपनी दूसरी यात्रा पर 3 नवंबर को तेल अवीव में इजरायली प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात की। उनकी यात्रा अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के बयान के बाद हो रही हैं जिसमें उन्होंने कहा कि हमास के साथ इजरायल के युद्ध में मानवीय विराम होना चाहिए। इजराइल की अपनी यात्रा से पहले ब्लिंकन ने कहा कि वह संघर्ष में नागरिकों की सुरक्षा के लिए ठोस कदमों पर चर्चा करुंगा। हमने हाल के दिनों में देखा है कि फिलिस्तीनी नागरिकों को इस कार्रवाई का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है और यह महत्वपूर्ण है कि अमेरिका यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि नागरिकों की सुरक्षा के लिए हर संभव प्रयास किया जाए। ब्लिंकन इजराइल को लड़ाई में विराम के लिए मनाने की कोशिश कर रहे हैं, इजरायली सैनिकों ने गाजा शहर को घेर लिया है, इस पश्चिम एशियाई राष्ट्र हमास के सैन्य बुनियादी ढांचे का केंद्र कहते हैं। इसके अलावा, युद्ध के शुरुआती दिनों में इजराइल को अपना निर्बाध समर्थन देने के बाद, अमेरिका ने अब अपना सुर क्यों बदल लिया है?

दरअसल अरब अमेरिकी मतदाताओं ने इजराइल के लिए बाइडेन के निरंकुश समर्थन की आलोचना की है। फॉरेन पॉलिसी ने हालिया सर्वेक्षण का हवाला देकर बताया कि बाइडेन को 2020 में लगभग 59 प्रतिशत अरब अमेरिकियों का समर्थन मिला, जो अब घटकर सिर्फ 17 प्रतिशत रह गया है। लेकिन इस पर बाद में और अधिक जानकारी। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका के दक्षिण फ्लोरिडा में रब्बी और यहूदी नेता समुदाय के सदस्यों को इजराइल का भरपूर समर्थन करने के लिए सांसदों को बुलाने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं, क्योंकि यह अपना आक्रामक रुख बढ़ा रहा है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति और रिपब्लिकन नेता डोनाल्ड ट्रम्प ने 2020 के राष्ट्रपति चुनावों में फ्लोरिडा में जीत हासिल की। राष्ट्रीय स्तर पर, 30 प्रतिशत यहूदी मतदाताओं ने ट्रम्प का समर्थन किया, फ्लोरिडा के लगभग 43 प्रतिशत यहूदी मतदाताओं ने उनका समर्थन किया। अगर फ्लोरिडा को एक बारहमासी प्रतिस्पर्धी राज्य के रूप में अपनी स्थिति फिर से हासिल करनी है, तब यहूदी मतदाता बाइडेन के इजराइल-हमास युद्ध से निपटने को किस तरह से देखते हैं, यह महत्वपूर्ण होगा। 2020 में बाइडेन की व्हाइट हाउस जीत सुनिश्चित करने वाले प्रमुख राज्यों में से एक था। 2024 के राष्ट्रपति चुनावों से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति के लिए भी एक चुनावी चिंता का विषय है।

हमास ने रखी शर्त, इजरायल अपनी जेल से सभी बंधकों की करे रिहाई

-फिलिस्तीन के नेल्सन मंडेला मारवान बरघौती को छोड़ने पर हो सकता है युद्ध विराम

मनीला (एजेंसी)। हमास ने इजरायल के सामने सभी बंधकों की रिहाई के बदले इजरायल की जेलों में बंद सभी कैदियों की रिहाई की मांग की है। हमास की रिहाई की शर्तों में मारवान बरघौती भी शामिल हैं। यानी इजरायली जेलों को पूरी तरह खाली करने की शर्त रखी गई है। इजरायल-हमास जंग का आज 30वां दिन है। इजरायल गाजा पट्टी पर लगातार बमबारी कर रहा है। इससे वहां हताहतों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। इस बीच, हमास ने इजरायली बंधकों की रिहाई के लिए नई शर्त रखी है। फिलिस्तीन के नेल्सन मंडेला कहे जाने वाले मारवान बरघौती भी इजरायल की ही जेल में बंद हैं। वह फतह केंद्रीय समिति और फिलिस्तीनी विधान परिषद (पीएलसी) के सदस्य हैं। जिन्हें वर्ष 2002 में इजरायली बलों द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया था। फतह के एक उग्रवादी गुट तंजीम के पूर्व नेता मारवान को हत्या और एक आतंकवादी संगठन की सदस्यता के कई मामलों में पांच बार आजीवन कारावास की सजा सुनाई जा चुकी है।

पेरिस स्थित थिंक टैंक इंस्टिट्यूट डी रेचेर्चे एट डीएट्यूड्स मेडिटेरैनी मोयेन-ओरिएंट के प्रमुख जीन-पॉल चाग्नोलॉड ने कहा, जब-जब इजरायल के साथ फिलिस्तीन का टकराव या आंतरिक संकट भड़कता है, तो मारवान का नाम सामने आता है। चाग्नोलॉड के मुताबिक, मारवान बरघौती को 20 साल पहले दूसरे इंतिफ़ादा (2000-2005) के दौरान गिरफ्तार किया गया था। वह एक सक्रिय फतह नेता थे जिनकी हत्या नहीं की गई थी। जेल की सलाखों के पीछे, बरघौती ने चुप रहने से इनकार कर दिया था। मारवान बरघौती ने 2006 में कैदी दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

राष्ट्रपति चुनाव में भारतवंशी रामास्वामी-हेली एक-दूसरे को दे रहे चुनौती

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के लिए रिपब्लिकन पार्टी की उम्मीदवारी की होड़ में भारतवंशी निक्की हेली और विवेक रामास्वामी एक-दूसरे के सामने कड़ी चुनौती बने हुए हैं। दोनों नेताओं के बीच तनाव बरकरार था, जब वे आखिरी बार बहस के मंच पर आमने-सामने थे। इस दौरान हेली ने रामास्वामी से कहा कि हर बार जब मैं आपको सुनती हूं, तो आपकी बातों से थोड़ी बेवकूफी झलकती है। इस पर रामास्वामी ने कहा कि अगर हम यहां बैठकर व्यक्तिगत टीका-टिप्पणी न करें, तो रिपब्लिकन पार्टी में हमारी बेहतर सेवा होगी। बाद में उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि वह हेली के लिए अगली बार आसान विषय रखेंगे, ताकि उन्हें अपनी राय जाहिर करने में दिक्कत न हो। दोनों बुधवार को पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी को लेकर तीसरी बहस के लिए फिर से आमने-सामने होंगे। अगले साल रिपब्लिकन पार्टी में प्राइमरी चुनाव के लिए मतदान शुरू होने से पहले बड़े दर्शकों के सामने अपना पक्ष रखने के यह उनके पास अंतिम अवसरों में से एक होगा। हेली और रामास्वामी 2024 के लिए नामांकन की दौड़ में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बहुत पीछे हैं, लेकिन दोनों नेता भारतीय मूल के अमेरिकियों के बढ़ते राजनीतिक प्रभाव का प्रतिनिधित्व करते हैं।

बता दें कि हेली और रामास्वामी भारतीय-अमेरिकियों के बीच विचारों की विविधता का उदाहरण हैं। दक्षिण कैरोलाइना की पूर्व गवर्नर और बाद में संयुक्त राष्ट्र की राजदूत रह चुकीं हेली आम तौर पर पार्टी के पारंपरिक रुख के साथ जुड़ी दिखती हैं, खासकर जब विदेश नीति की बात आती है। हेली (51) ने रूस के साथ युद्ध में यूक्रेन के लिए निरंतर समर्थन का आह्वान किया है और रामास्वामी (38) को विश्व मामलों में गैर-अनुभवी करार दिया है। वहीं, बायोटेक उद्यमी रामास्वामी ने रिपब्लिकन पार्टी के रुख की आलोचना की है और यूक्रेन को समर्थन जारी रखने की आवश्यकता पर सवाल उठाया है।

एक हालिया सर्वेक्षण में पाया गया कि 68 प्रतिशत भारतीय-अमेरिकी पंजीकृत मतदाताओं की पहचान डेमोक्रेट के रूप में और 29 प्रतिशत की पहचान रिपब्लिकन के रूप में हुई है। हो सकता है कि रिपब्लिकन अमेरिका में भारतीय प्रवासियों के बीच जीत हासिल करने की कगार पर न हों, लेकिन करीबी मुकाबले वाले राज्यों में मामूली लाभ भी उल्लेखनीय जरुर हो सकता है। प्रवासी भारतीयों के कई ऐसे वर्ग हैं, जो अभी भी भारतीय राजनीति से संबंधित समर्थन में लगे हुए हैं।

भुखमरी से निपटने के लिए पाकिस्तान सेना करेगी खेती, 4 लाख हेक्टेयर जमीन पट्टे पर ली

इस्लामाबाद (एजेंसी)। अगर यह कहा जाए कि पाकिस्तानी सेना अब टैंक नहीं ट्रैक्टर चलाएगी तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। वजह ये है कि पाकिस्तान की सेना ने 4 लाख हेक्टयर जमीन पट्टे पर ली है। इस जमीन पर सेना खेती करेगी और अपने देश की भुखमरी दूर करने के लिए अनाज उगाएगी। बता दें कि आतंकवाद की फैक्ट्री कहे जाने वाले पाकिस्तान का बड़ा बजट आतंकवादी गतिविधियों पर खर्च होता है। जिसके कारण हालाता निरंतर बिगड़ रहे हैं।

पाकिस्तान मीडिया के मुताबिक, सितंबर में, पाकिस्तान पंजाब में सेना को 400,000 हेक्टेयर से अधिक भूमि पर 30 साल का पट्टा देने के लिए एक समझौता हुआ। यह भूखंड दिल्ली के आकार से तीन गुना क्षेत्र के बराबर है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस महीने की शुरुआत में इसी तरह के एक और समझौते पर सेना ने हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत सेना अशांत दक्षिण वजीरिस्तान, खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में 17,000 हेक्टेयर से अधिक भूमि पर खेती करेगी। अब इस पर सवाल खड़े हो रहे हैं कि दक्षिण वजीरिस्तान में सेना द्वारा ली गई जमीन जटिल पहाड़ियों और चोटियों वाला एक ऊबड़-खाबड़ इलाका है, जहां भीषण गर्मी और सर्दियों में भीषण ठंड पड़ती है और जहां सिंचाई की कोई व्यवस्था भी नहीं है, वहां सेना बड़े पैमाने पर खेती कैसे कर सकेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि क्षेत्र की कृषि उत्पादकता बढ़ाने और खाद्य आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए पाक सेना शुरुआत में 1,000 एकड़ भूमि पर खेती करेगी और फिर दक्षिण वज़ीरिस्तान के ज़रमलम क्षेत्र में 41,000 एकड़ (17,000 हेक्टेयर) भूखंड पर उसका विस्तार करेगी। यह भूखंड वर्षों से बंजर है। यह क्षेत्र अफगानिस्तान सीमा के करीब भी स्थित है और यहां आतंकवादी हमलों में वृद्धि देखी गई है, खासकर सेना के जवानों को निशाना बनाया जाता रहा है।

खाद्य संकट की चपेट में आया पाकिस्तान 2023 के वैश्विक भूख सूचकांक में 125 देशों में से 102वें स्थान पर है। पाकिस्तान वर्तमान में एक ऐसे परिदृश्य का सामना कर रहा है, जहां बड़े पैमाने पर खाद्य संकट है और रिकॉर्ड तोड़ महंगाई और बढ़ती गरीबी से त्रस्त हताश जनता मुफ्त आटा पाने के लिए अक्सर हजारों की संख्या में सरकारी वितरण केंद्रों पर इकट्ठा होती है।बता दें कि 75 वर्षों के पाकिस्तान के इतिहास में सेना ने आधे से अधिक समय तक शासन किया है और वहां सुरक्षा और विदेश नीति के मामलों में उसकी मजबूत पकड़ रही है। ऐसे में अर्थव्यवस्था और कृषि में सेना के इस कदम ने कई लोगों की भौंहें चढ़ा दी हैं।पिछले कुछ महीनों में ऐसे कई उदाहरण सामने आए हैं जब आटा जैसी चीजों के लिए पाकिस्तान में भगदड़ मची है और दर्जनों लोग हताहत हुए हैं। माना जा रहा है कि पाक सेना ने स्थिति को सुधारने और जनता की नज़र में अपनी छवि को दुरुस्त करने की कोशिश में ये नई भूमिका तलाशी है। पिछले छह महीनों में सैन्य नेतृत्व ने देश की खराब अर्थव्यवस्था को स्थिर करने की कोशिश में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पाकिस्तान सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर देश की विशेष निवेश सुविधा परिषद के सदस्य हैं, जिसे जून में एक सर्वोपरि निर्णय लेने वाले मंच के रूप में स्थापित किया गया था, जिसका

उद्देश्य अर्थव्यवस्था के भीतर आवश्यक संरचनात्मक सुधारों का नेतृत्व करना था। इसी कोशिश में पाक सेना ने बंजर भूमि पर खेतीबारी करने खाद्य उत्पादन में देश को तेजी से आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास में यह कदम उठाया है। सेना की इसी मंशा को देखते हुए कार्यवाहक सरकार खेती के लिए सैकड़ों हजारों एकड़ भूमि सेना को सौंपने पर सहमत हुई है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पश्चिमी नेपाल के साथ भारत के देहरादून में बड़े भूकंप आने की आशंका

-भूकंप वैज्ञानिक ने दी चेवावनी, धरती अपने अंदर जमा एनर्जी को करती है रिलीज

नई दिल्ली । भूकंप वैज्ञानिक ने चेतावनी दी है कि यदि धरती अपने अंदर जमा एनर्जी को रिलीज करती है तो भूकंप आता है। यही वजह है कि नेपाल में बार-बार भूकंप आ रहे हैं। उन्होंने भारत के देहरादून को भी भूकंप का केन्द्र बताकर चेतावनी जारी की है। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के वरिष्ठ भूकंप विज्ञानी भरत कोइराला ने बताया कि लंबे समय से धरती के अंदर सक्रिय यूरेशियन प्लेटों के बीच टकराव हो रहा है। कोइराला ने बताया कि पश्चिमी नेपाल के गोरखा (जिला) से लेकर भारत के देहरादून तक टेक्टोनिक हलचल के कारण बहुत सारी एनर्जी जमा हो गई है। भूकंप ही उस एनर्जी को मुक्त करने का एकमात्र तरीका है। भारत के पड़ोसी देश नेपाल में शुक्रवार रात आए 6.4 तीव्रता वाले भूकंप ने भारी तबाही मचाई है। वहीं, एक भूकंपविज्ञानी का कहना है कि खतरनाक हिमालयी भूकंपीय क्षेत्र पर स्थित नेपाल अत्यधिक भूकंप-संभावित देश है। इसके भूकंप प्रभावित पश्चिमी पर्वतीय क्षेत्र में बड़े भूकंप का खतरा होने की ज्यादा आशंका है। एकरिपोर्ट के मुताबिक नेपाल दुनिया का 11वां सबसे अधिक भूकंप झेलने वाला देश है। इसलिए जब शुक्रवार देर रात नेपाल के सुदूर पश्चिमी पर्वतीय क्षेत्र में 6.4 तीव्रता का भूकंप आया, तो यह पहला भूकंप नहीं था। आधिकारिक आंकड़ों पर ध्यान दें तो शुक्रवार आधी रात को पश्चिमी नेपाल में आया भूकंप इस साल नेपाल में आए 70 से ज्यादा भूकंपों की लंबी लिस्ट में से एक था। भूकंप का केंद्र काठमांडू से लगभग 500 किमी उत्तर-पश्चिम में जाजरकोट जिले में था, जिससे 2015 के विनाशकारी भूकंप की दर्दनाक यादें ताजा हो गईं। नेपाल के राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के वरिष्ठ भूकंपविज्ञानी भरत कोइराला ने बताया कि लंबे समय से धरती के अंदर सक्रिय यूरेशियन प्लेटों के बीच टकराव हो रहा है, जिससे जबरदस्त एनर्जी एकत्र हो गई है। नेपाल इन 2 प्लेटों के बॉर्डर पर स्थित है और इसलिए अत्यधिक सक्रिय भूकंपीय क्षेत्र में स्थित है, लिहाजा नेपाल में भूकंप आना आम बात है। भूकंप विज्ञानी कोइराला ने बताया कि पश्चिमी नेपाल में भूकंप का सबसे ज्यादा खतरा है। उन्होंने कहा कि पिछले 520 वर्षों से पश्चिमी नेपाल में कोई बड़ा भूकंप नहीं आया है। इसलिए बहुत सारी एनर्जी जमा हो गई है भूकंप ही उस एनर्जी को मुक्त करने का एकमात्र तरीका है। कोइराला ने बताया कि पश्चिमी नेपाल के गोरखा (जिला) से लेकर भारत के देहरादून तक टेक्टोनिक हलचल के कारण बहुत सारी एनर्जी जमा हो गई है, इसलिए इस एनर्जी को जारी करने के लिए इन क्षेत्रों में छोटे या बड़े भूकंप आ रहे हैं, जो बेहद सामान्य है।

प्रदूषण रोकने दिल्ली में ट्रकों के प्रवेश और निर्माण कार्य पर प्रतिबंध

नई दिल्ली। सरकार ने प्रदूषण को रोकने के लिए दिल्ली में ट्रकों के प्रवेश और निर्माण कार्य पर प्रतिबंध लगा दिया है। केंद्र सरकार की तरफ से ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (जीआरएपी) के चरण-IV को लागू कर दिया है। गौरतलब है कि दिल्ली में प्रदूषण एक बड़ी समस्या बना हुआ है। दिल्ली और एनसीआर के ऐसे कई इलाके हैं जहां हवा की गुणवत्ता यानी वायु गुणवत्ता गिरकर करीब 500 या कई जगहों पर इससे भी ज्यादा पहुंच गई है। दिल्ली में प्रदूषण का स्तर कितना खतरनाक है, इसका अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि यह विश्व स्वास्थ्य संगठन की तय सीमा से करीब 100 गुणा ज्यादा है। रविवार की दोपहर दिल्ली के वजीरपुर इलाके में का स्तर 859 आंका गया। जो बेहद खतरनाक स्तर माना जाता है। अगर बात पीएम 2।5 के स्तर की करें तो दिल्ली-एनसीआर में मौजूदा समय में ये विश्व स्वास्थय संगठन द्वारा तय मानक से 96।2 गुणा ज्यादा है। दिल्ली में प्रदूषण के बढ़ते स्तर को देखते हुए राज्य सरकार ने 5वीं तक के सभी स्कूल 10 नवंबर तक बंद किये जाने का निर्णय दिल्ली सरकार ने लिया है। हालांकि 6-12 वीं तक के स्कूलों को कोई आदेश नहीं दिया गया है, लेकिन उनको विकल्प दिया गया है कि वे चाहें तो ऑनलाइन क्लास चला सकते हैं। इस बारे में दिल्ली की शिक्षा मंत्री आतिशी ने जानकारी दी। दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण के मद्देनज़र 5 नवंबर तक पांचवीं तक के स्कूल बंद किए गए थे। अब इसे बढ़ाकर 10 नवंबर कर दिया गया है।

50 नाबालिग छात्राओं का यौन शोषण करने वाला प्रिंसिपल हुआ गिरफ्तार

चंडीगढ़ । जींद के एक सरकारी स्कूल के प्रधानाचार्य को एसआईटी ने गिरफ्तार किया है। प्रधानाचार्य पर लड़कियों के यौन शोषण के आरोप में है। मिली जानकारी के अनुसार स्कूल के प्रिंसिपल पर 60 छात्राओं ने गंभीर आरोप लगाए थे। जबकि 50 छात्राओं ने हरियाणा राज्य महिला आयोग को पत्र लिखकर प्रिंसिपल की शिकायत की थी। इसके अलावा 10 अन्य छात्राओं ने कहा था कि उन्हें इस बात की जानकारी है। इसके बाद प्रिंसिपल के खिलाफ पॉक्सो ऐक्ट के तहत केस दर्ज किया गया और अब गिरफ्तारी हो गई है। डीएसपी अमित भाटिया ने कहा कि केस दर्ज होने के बाद प्रिंसिपल फरार हो गया था। उसके ठिकानों पर छापा डाला गया। उसे जिले के बाहर से गिरफ्तार किया गया है। डीएसपी ने कहा कि हमारे पास आरोपी प्रधानाचार्य के खिलाफ पर्याप्त सबूत और गवाह हैं। प्रिंसिपल को जल्दी ही कोर्ट में पेश किया जाएगा और रिमांड मांगी जाएगी। बता दें कि प्रिंसिपल पर लगाए आरोप के बाद उसे एक सप्ताह पहले ही निलंबित तकर दिया गया था। इसके अलावा मामले की जांच करने के लिए जिला स्तर पर एक समिति भी बनाई गई थी। इस मामले में एचएससीडब्लू की चेयरमैन रेनू भाटिया ने कहा कि हमारे पास 60 लड़कियों की लिखित शिकायत आई थी। 50 छात्राओं ने कहा कि उनका शारीरिक शोषण करने का प्रयास किया गया है। इसके अलावा 10 ने कहा कि उन्हें इस बात की जानकारी थी कि प्रिंसिपल छात्राओं के साथ गलत हरकत करता था। शिकायत करने वाली सभी लड़कियां नाबालिग हैं। भाटिया ने कहा कि प्रिंसिपल छात्राओं को अपने ऑफिस में बुलाता था और फिर यौन शोषण करता था। इसके अलावा प्रिंसिपल ने कई लड़कियों को वॉट्सऐप मेसेज भी भेजे थे। उसके पास कम से कम तीन मोबाइल फोन थे। मामले के संबंध में छात्राओं ने गुरुवार को पंचकूला में महिला आयोग की अध्यक्ष रेनू भाटिया के सामने अपने बयान दर्ज करवाए थे। इसके बाद आयोग ने पुलिस को 24 घंटे के भीतर प्रधानाचार्य को गिरफ्तार करने के निर्देश दिए थे।

कनाडा से विवाद का समाधान जल्द निकलेगा : जयशंकर

नई दिल्ली। भारत और कनाडा के बीच लंबे समय से चल रहे विवाद का अंत होने की संभावना बढ़ गई है। कई मामालों में कनाडा ने यू टर्न लिया है और कई बार उसे शर्मिंदा होना पड़ा है।ये स्थिति तब बनी जब कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो ने भारत पर आतंकी निज्जर की हत्या के आरोप लगा दिए थे। इस आरोप के बाद ही दोनों देशों के बीच राजनयिक तनाव पैदा हो गया था। अब कनाडा को लगने लगा है कि भारत से पंगा लेकर उसने बड़ी गलती की है। इस आशय के संकेत विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक कार्यक्रम में दिए हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत और कनाडा के बीच राजनयिक विवाद के समाधान में कूटनीतिक गुंजाइश मौजूद है।विदेश मंत्री ने कहा कि दोनों देश एक-दूसरे के संपर्क में हैं और उम्मीद है कि इस विवाद के समाधान का एक रास्ता निकलेगा।उन्होंने कहा कि संप्रभुता और संवेदनशीलता एकतरफा नहीं हो सकती। जयशंकर ने हिंदुस्तान टाइम्स लीडरशिप समिट में ये बातें कहीं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यहां कूटनीति के लिए जगह है। मुझे पता है कि कनाडा में मेरी समकक्ष ने भी यही रुख जाहिर किया है।

जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने दी चेतावनी, कर्मचारी प्रदर्शन करेंगे तो होगी कार्रवाई

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने कर्मचारियों को चेतावनी दी है कि यदि वे प्रदर्शन करेंगे तो उनपर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। इस पर नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर प्रशासन का अपने कर्मचारियों को प्रदर्शन और हड़ताल करने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी देने वाला आदेश उनके साथ नाइंसाफी है। अब्दुल्ला ने कहा कि नेकां सरकारी कर्मचारियों के साथ खड़ी है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से कर्मचारियों की समस्याएं और मुद्दे सुलझाने का आग्रह किया। नेकां अध्यक्ष ने श्रीनगर में संवाददाताओं से कहा कि मुझे लगता है कि यह उनके खिलाफ नाइंसाफी है। नेकां उनके साथ खड़ी है। हम सरकार से अपील करते हैं कि उन्हें उनके मूल अधिकार दिए जाएं। उन्होंने कहा कि अगर सरकार चलाने वाले ही काम नहीं करेंगे, तो सरकार कैसे चलेगी? मैं उपराज्यपाल से अपील करता हूं कि वह इस पर ध्यान दें और कर्मचारियों की मुश्किलें दूर करने की कोशिश करें।

झूठे दावे, झूठे वादे...राहुल गांधी का नाम लेकर कांग्रेस की चुनावी गारंटियों पर अनुराग ठाकुर ने कसा तंज

भोपाल (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए रविवार को कहा कि हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और कर्नाटक के पिछले विधानसभा चुनावों में मतदाताओं को कांग्रेस की ओर से दी गईं 'गारंटी' इस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की तरह विफल साबित हुई हैं। ठाकुर ने कहा कि गांधी ने ऐसी ही एक 'गारंटी' के तहत मतदाताओं को ठगते हुए मध्यप्रदेश में 2018 हुए विधानसभा चुनावों से पहले वादा किया था कि उनकी पार्टी की सरकार 10 दिनों के भीतर दो लाख रुपये तक के कृषि ऋण को माफ नहीं करेगी, तो वह मुख्यमंत्री बदल देंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि गांधी ने राज्य के युवाओं को बेरोजगारी भत्ते के रूप में प्रति माह 4,000 रुपये देने का भी वादा किया था, लेकिन ये सभी चुनावी 'गारंटी' विफल हो गईं क्योंकि इन्हें कमलनाथ की अगुवाई में दिसंबर 2018 से मार्च 2020 तक 15 महीने चली कांग्रेस सरकार के राज में लागू नहीं किया गया था।

ठाकुर ने दावा किया, इस तरह की गारंटी हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और कर्नाटक (जहां कांग्रेस सत्ता में है) में भी विफल रही हैं। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस ने 22.50 लाख महिलाओं को हर माह 1,500 रुपये की सहायता की गारंटी दी थी। इसे (कांग्रेस के सत्ता में आने के) 10 महीने बाद भी लागू नहीं किया गया है। कांग्रेस ने एक लाख नौकरियां देने का वादा भी किया था, लेकिन अभी तक इस पार्टी की सरकार ने 1,000 नौकरियां तक नहीं दी हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उनके गृह राज्य हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस ने दो रुपये प्रति किलोग्राम की दर से गाय का गोबर और 100 रुपये प्रति लीटर की दर से दूध की खरीद के साथ ही 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली के वादे भी किए थे, लेकिन इनमें से कोई भी वादा अब तक पूरा नहीं हुआ है।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार ने महिलाओं के लिए लाड़ली बहना योजना शुरू की,जबकि कांग्रेस शासित राजस्थान में महिलाओं के खिलाफ कथित रूप से सबसे ज्यादा अत्याचार हुए हैं। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में गंभीर वायु प्रदूषण के लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की आलोचना करते हुए ठाकुर ने कहा कि केजरीवाल ने जनता को बड़े-बड़े सपने दिखाए थे, लेकिन फिलहाल आलम यह है कि आम आदमी पार्टी सरकार की ओर से स्थापित तीन ''स्मोक टॉवर'' बंद पड़े हैं। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस दिल्ली की सत्ता में थी, तब केजरीवाल एनसीआर के प्रदूषण के लिए पंजाब में किसानों के पराली जलाने को जिम्मेदार ठहराते थे, लेकिन अब दोनों राज्यों में आम आदमी पार्टी की सरकार होने के बावजूद वह इस प्रदूषण पर रोक लगाने में नाकाम रहे हैं जिससे दिल्ली गैस चैंबर में बदल गई है।

बीजेपी के जातिगत जनगणना पर रुख में बदलाव पर चिदंबरम ने किया कटाक्ष

नई दिल्ली । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने बीजेपी के जातिगत जनगणना के रुख में बदलाव को लेकर कटाक्ष किया है। उन्होंने रविवार को कहा कि भाजपा ने अचानक फैसला किया है कि सभी से परामर्श के बाद कोई निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जब तक आरक्षण नीति है, तब तक जाति की गिनती होना तर्कसंगत है। एक्स पर एक पोस्ट में कांग्रेस नेता चिदंबरम ने कहा कि जाति जनगणना के वादे को फूट डालो और राज करो कहकर खारिज करने के बाद, भाजपा ने अचानक निष्कर्ष निकाला है कि इस मुद्दे पर निर्णय सभी से परामर्श के बाद लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि लगभग हर दूसरे राजनीतिक दल ने जाति जनगणना के विचार का समर्थन किया है। चिदंबरम ने कहा, जब तक आरक्षण नीति है, यह तर्कसंगत है कि जाति की गणना की जानी चाहिए। बता दें कि उनकी यह टिप्पणी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के शुक्रवार के उस बयान के बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि भाजपा ने कभी भी जाति जनगणना के विचार का विरोध नहीं किया, लेकिन वह सभी से परामर्श करने के बाद इस पर उचित निर्णय लेगी। उनका यह बयान कांग्रेस और कुछ अन्य पार्टियों द्वारा इस कवायद को राष्ट्रीय स्तर पर लागू करने की जोरदार मांग के बीच आया है। बता दें कि शाह भाजपा के राज्य कार्यालय में इस महीने होने वाले छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के घोषणापत्र के लॉन्च के अवसर पर संवाददाताओं से बात कर रहे थे।

अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण, भारत के भीतर राम राज्य की उद्घोषणा की शुरुआत है : मुख्यमंत्री योगी

सुकमा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण भारत के अंदर राम राज्य की उद्घोषणा की शुरुआत है, जहां जाति और धर्म के आधार पर कोई भेदभाव नहीं होगा। छत्तीसगढ़ के कोंटा विधानसभा क्षेत्र में एक रैली को संबोधित करते हुए भाजपा नेता ने छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार पर राज्य में 'लव जिहाद' और धर्मांतरण को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।

सुकमा जिले की कोंटा सीट उन 20 विधानसभा क्षेत्रों में से एक है, जहां पहले चरण में मतदान होगा। राज्य के 90 सदस्यीय विधानसभा के लिए दो चरणों में मतदान होगा। पहले चरण में 20 सीटों पर तथा अन्य 70 सीटों पर 17 नवंबर को दूसरे चरण में मतदान होगा। पहले चरण के लिए प्रचार रविवार शाम को समाप्त हो जाएगा। योगी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, ''अयोध्या में भगवान राम के मंदिर का निर्माण जनवरी में पूरा हो जाएगा। इससे उत्तर प्रदेश से अधिक छत्तीसगढ़ के लोगों को खुश होना चाहिए क्योंकि छत्तीसगढ़ भगवान राम का ननिहाल है। अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण भारत के अंदर राम राज्य की उद्घोषणा की शुरुआत है।''

उन्होंने कहा, ''राम राज्य का अर्थ है ऐसा शासन जहां जाति और धर्म के आधार पर कोई भेदभाव नहीं होगा। योजनाओं का लाभ गरीबों, वंचितों, आदिवासियों सहित हर व्यक्ति तक पहुंचे। योजना का लाभ सभी तक सीधे पहुंचना चाहिए। सभी को सुरक्षा, सुविधाएं और संसाधनों पर अधिकार मिले, यही राम राज्य है।'' योगी ने केंद्र सरकार की योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा, ''याद रखें, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने वास्तव में पिछले साढ़े नौ वर्षों में पूरे देश में राम राज्य की नींव रखी है।''

योगी आदित्यनाथ ने भूपेश बघेल सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया, ''यहां (छत्तीसगढ़ में) सरकार लव जिहाद और धर्मांतरण की गतिविधियों पर चुप है। यहां हर तरह से ऐसी गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। यह कोई 'सरकार' नहीं है, बल्कि यह एक 'समस्या' बन गई है। कांग्रेस अपने आप में एक समस्या बन गई है। जल्द से जल्द इस समस्या से छुटकारा पाएं और छत्तीसगढ़ के सपनों को साकार करने में सहयोग करें।'' उन्होंने कोयला, शराब, खनन और लोक सेवा आयोग में कथित घोटालों को लेकर भी बघेल सरकार पर हमला बोला। भाजपा ने कोंटा सीट से सोयम मुका को मैदान में उतारा है। यहां से कांग्रेस के उम्मीदवार मौजूदा विधायक और मंत्री कवासी लखमा हैं।

खतरनाक स्तर पर प्रदूषण से बढ़ा तनाव, कारगर पहल की दरकार

-दिल्ली और एनसीआर में 999 पर पहुंचा वायु गुणवत्ता सूचकांक स्तर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिवाली से पहले ही दिल्ली और एनसीआर में अति खतरनाक प्रदूषण स्तर पर के दुष्परिणाम से उत्पन्न आंखों में जलन, गले में खराश दमा और सांस जैसी अस्वस्थ्यकर लक्षणो ने तनाव बढ़ा दिया है। पर्यावरण विशषज्ञों के मुताबिक, प्रदूषण से निपटने के लिए सरकारी उपाय नाकाफी साबित हो रहे हैं।

दिल्ली, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गुरुग्राम, फरीदाबाद समेत एनसीआर के सभी इलाकों में सुबह के समय आसमान में धुंध और स्मॉग की चादर है। जिससे सड़कों पर विजिबिलिटी काफी कम है। मौसम विभाग के मुताबिक, फिलहाल बारिश नहीं होने के आसार से प्रदूषण राहत की उम्मीद नजर नहीं आती। नई दिल्ली के अशोक विहार इलाके में रात करीब 1 बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक स्तर 999 दर्ज किया गया। आने वाले दिनों में दिल्ली-एनसीआर में भयावह प्रदूषण स्थिति को आपातकाल की तरह समझकर सरकार को तत्काल कारगर कदम उठाने होंगे। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक 5 नवंबर को सुबह 7 बजे 400 के पार दर्ज किया गया, जो कि गंभीर श्रेणी में आता है। बता दें कि शून्य से 50 के बीच एक्यूआई अच्छा, 51 से 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच 'मध्यम', 201 से 300 के बीच 'खराब', 301 से 400 के बीच 'बहुत खराब' और 401 से 500 के बीच एक्यूआई 'गंभीर' माना जाता है। प्रदूषण कंट्रोल करने के लिए सरकार की ओर से कई एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं लेकिन प्रदूषण की स्थिति में सुधार होता दिखाई नहीं दे रहा है। दरअसल, पवन की मंथर ग?ति और अधिक नमी के कारण प्रदूषणस्तर बढ़ रहा है। सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फॉरकास्टिंग एंड रिसर्च (एसएएफएआर) के पूर्वानुमान के मुताबिक, दिल्ली-एनसीआर को प्रदूषण से अभी राहत मिलने की कोई उम्मीद नहीं है। मौसम केन्द्र के मुताबिक, दिल्ली में पिछले कुछ दिनों से शुष्क मौसम की स्थिति देखी जा रही है। राष्ट्रीय राजधानी में न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस बना हुआ है।

मोइत्रा के खिलाफ मसौदा रिपोर्ट को स्वीकार करने के लिए सात नवंबर को करेगी बैठक

नयी दिल्ली। लोकसभा की आचार समिति तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा के विरुद्ध भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे द्वारा 'पैसे लेकर प्रश्न पूछने' के आरोपों से जुड़ी जांच की मसौदा रिपोर्ट पर विचार करने और उसे स्वीकार करने के लिए सात नवंबर को बैठक करेगी। समिति द्वारा मसौदा रिपोर्ट को स्वीकार करने के लिए बैठक आयोजित करने का अभिप्राय है कि भाजपा सांसद विनोद कुमार सोनकर की अध्यक्षता वाली समिति ने अपनी जांच पूरी कर ली है और अब वह अपनी सिफारिश करेगी। इसके पहले समिति के सदस्य दो नवंबर को पिछली बैठक के दौरान अपनी-अपनी पार्टी के रुख के अनुरूप बंटे दिखे थे। आचार समिति में 15 सदस्य हैं जिनमें बहुमत भाजपा का है। समिति मोइत्रा के आचरण पर गंभीर रुख अपना सकती है, खासकर तब जब उन्होंने पिछली बैठक में सोनकर पर उनसे तुच्छ और व्यक्तिगत सवाल पूछने का आरोप लगाते हुए विपक्षी सदस्यों के साथ बैठक से बहिर्गमन किया था। ऐसे संकेत है कि समिति लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को सौंपी जाने वाली रिपोर्ट में मोइत्रा के खिलाफ सिफारिश कर सकती है। ऐसी भी संभावना है कि विपक्षी सदस्य असहमति व्यक्त कर सकते हैं। समिति में शामिल पांच विपक्षी सदस्य दो नवंबर की बैठक से यह आरोप लगाते हुए बाहर निकल गए थे कि सोनकर ने मोइत्रा से उनकी यात्रा, होटल में ठहरने और टेलीफोन कॉल को लेकर निजी और अभद्र सवाल किए हैं। मोइत्रा ने बाद में आरोप लगाया कि बैठक में 'शब्दों से वस्त्रहरण' किया गया। समिति के अध्यक्ष ने विपक्षी सदस्यों के दावों का खारिज करते हुए दावा किया कि यह उन्हें (मोइत्रा को) बचाने के लिए किया गया अनैतिक व्यवहार का मामला है। मोइत्रा जांच के संबंध में समिति के सामने पेश हुई थीं और इस प्रकार उनके पास संसद सदस्य के तौर पर प्राप्त विशेषाधिकार नहीं था। समिति अपनी रिपोर्ट में बैठक से उनके बहिर्गमन के कदम को गंभीरता से ले सकती है।

आरोपी शुभम सोनी ने कहा कि वही महादेव ऐप का असली मालिक, भूपेश बघेल के कहने पर दुबई गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप के मामले में आरोपी शुभम सोनी ने कहा है कि वही महादेव ऐप का असली मालिक है और वह भूपेश बघेल के कहने पर दुबई गया। उसने दुबई से एक बयान वीडियो बनाकर जारी किया है। जिसमें छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हाल ही में 5।39 करोड़ रुपये जब्त किए थे। ईडी के मुताबिक यह राशि दुबई से शुभम सोनी ने भूपेश बघेल के लिए भेजी थी।

ईडी के अनुसार शुभम सोनी के कहने पर असीम दास यह कैश देने के लिए जा रहा था। ईडी के मनी लॉन्ड्रिंग केस में शुभम सोनी वांटेड है।

महादेव ऐप के प्रमोटर के करीबी शुभम सोनी ने रविवार को एक वीडियो मैसेज में दावा किया है कि मैं ही महादेव बेटिंग ऐप का मालिक हूं। उसने अपना पेन कार्ड, आधार कार्ड और पासपोर्ट दिखाकर दावा किया कि साल 2021 में महादेव बेटिंग ऐप शुरू किया था।

सोनी ने कहा कि, भिलाई में मैंने छोटी-सी बुक शुरू की थी। उस बुक से पैसा आने लगा, लाइफ स्टाइल बदल गई। मामला आगे पता चलने लगा, लड़के पकड़े जाने लगे। फिर मैं वर्मा जी के सम्पर्क में आया और मैंने उन्हें 10 लाख रुपये महीना बतौर प्रोटेक्शन मनी देना शुरू कर दिया।

उसने कहा कि, मेरे लड़के पकड़े गए तो मैंने वर्मा जी को बोला। वर्मा जी ने फिर मेरी मीटिंग सीएम साहब से करवाई। वहां बिट्टू जी और सीएम साहब ने बोला कि अपना काम बढ़ाओ और दुबई जाओ। वहां मेरा काम अच्छा चल रहा था, लेकिन फिर प्रॉब्लम हुई, मेरे लड़के पकड़े गए। मैं रायपुर आया और मैं फिर वर्मा जी और गिरीश तिवारी के जरिए उस वक्त एसपी प्रशांत अग्रवाल से मिला।

शुभम ने कहा कि, प्रशांत अग्रवाल ने मेरी बात अपने फोन से स्पीकर पर सीएम बघेल से करवाई। उन्होंने बोला तुझे वहां काम संभालने भेजा था तो मालिक बन गया। मैंने रिक्वेस्ट की तो बोले प्रशांत से बात करो समझा देगा तुम्हें क्या करना है। फिर प्रशांत जी ने जो बोला, जिस-जिस को देने को बोला, मैंने दिया। बिट्टू भैया के जरिए 508 करोड़ रुपये भी दे चुका हूं, फिर भी मुझे दिक्कत कर रहे हैं।

मैं इंडिया आना चाहता हूं, मेरी मदद करें

शुभम सोनी ने कहा कि, मैंने अपने लिखित बयान में साफ बताया है कि कितना पैसा किस-किस को कब और किस तरह दिया गया। मेरी सरकार से गुजारिश है कि मैं इस पॉलिटिकल सिस्टम में फंस चुका हूं। मैं इंडिया आना चाहता हूं, मेरी मदद करें।

2024 के लिए बाबा वेंगा की भविष्यवाणी: कैंसर का इलाज मिलेगा और बायोलॉजिकल हमला होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया में सबसे सटीक भविष्यवाणी करने वाली भविष्यवक्ता बाबा वेंगा ने 2024 के लिए भविष्यवाणी की है। उनकी गणना कई जगह राहत देती हैं तो कई जगह डराने वाली भी है। बाबा के मुताबिक आने वाल साल 2024 में वैज्ञानिक कैंसर का सटीक उपचार खोज लेंगे। लेकिन एक बड़ा देश जैविक हथियारों का परीक्षण करेगा तथा हमला भी करेगा। इससे भारी नुकसान की आशंका है।

बाबा वेंगा की बातों पर यकीन करें तो साल 2024 में मौसम भी कहर बरपाएगा। प्राकृतिक आपदाएं आएंगी। क्लाइमेट में चेंज के साथ-साथ रेडिएशन का स्तर भी बढ़ेगा। साइबर अटैक और हैकिंग की घटनाएं बढ़ेंगी। पावर ग्रिड और वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट तक हैकिंग की कोशिश होगी। हालांकि इन सबके बीच विज्ञान के क्षेत्र में ऐसी खुशखबरी आएगी, जो इंसानों की लाइफ को प्रभावित करेगी। भूलने की बीमारी एल्ज़ाइमर्स का इलाज ढूंढ लिया जाएगा और कैंसर का भी ट्रीटमेंट इस साल वैज्ञानिक खोज लेंगे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भी भी प्रभावी होगा।

रिपोर्ट के मुताबिक बाबा वेंगा ने जो सबसे बड़ी भविष्यवाणी साल 2024 को लेकर की थी, वो दुनिया के सबसे ताकतवर नेताओं में शुमार रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को लेकर है। उनके मुताबिक रूसी राष्ट्रपति को उनके ही देश के किसी व्यक्ति की ओर से मारने की योजना बनाई जाएगी। हालांकि रूस की ओर से पुतिन के बीमार होने तक की बात को खारिज़ किया गया है। उन्होंने ये भी कहा था कि साल 2024 में एक बड़ा देश बायोलॉजिकल हथियारों को टेस्ट करेगा और हमला करेगा। उन्होंने यूरोप में आतंकी हमले की भी भविष्यवाणी की थी। इतना ही नहीं ये साल आर्थिक संकट लेकर भी आएगा, जिससे ग्लोबल इकोनॉमी प्रभावित होगी। इस साल में कर्ज़े बढ़ेंगे, सीमाई और राजनैतिक विवाद बढ़ेंगे और आर्थिक ताकत पश्चिम से पूर्वी देशों की ओर शिफ्ट हो जाएगी।

बता दें कि बाबा वेंगा को नास्त्रेदमस भी कहा जाता है क्योंकि इनकी कही बातें कई बार हूबहू सच हो गईं। उन्होंने आने वाले साल 2024 को लेकर भी कुछ ऐसी बातें कहीं थीं, जिन्हें सुनकर आप चिंता में पड़ जाएंगे। बाबा वेंगा की मानें तो ये साल भी हलचलों और आपदाओं से भरा हुआ साबित होगा। सटीक भविष्यवाणियों के लिए बल्गेरियन महिला बाबा वेंगा मशहूर हैं। बराक ओबामा की प्रेसिडेंसी से लेकर राजकुमारी डायना की मौत तक को सैकड़ों सालों पहले बता देने वाली बाबा वेंगा ने साल 2024 को लेकर खौफनाक चीज़ें बताई हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने रेलवे पुलिस के 40 अपार्टमेंट का उद्घाटन किया

7 करोड की लागत से 40 आवासो का सूरत रेलवे पुलिस के जवानों को हुआ लोकार्पण

गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी रेलवे पुलिस को आवास आवंटित करते हुए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत रेलवे पुलिस के 40 आवासों का उद्घाटन केंद्रीय राज्य मंत्री दर्शना जरदोश और गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने किया। इस कार्यक्रम में पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। गृह राज्य मंत्री ने वराछा स्थित पोदार आर्केड के पास 40 नवनिर्मित अपार्टमेंट का उद्घाटन कर कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि एक के बाद एक विभिन्न आवासीय परियोजनाएं शुरू की जा रही हैं। मैं गुजरात पुलिस की रेलवे यूनिट को बधाई देता हूं। जिस किसी को भी रेलवे यात्रा का अनुभव है, वह रेलवे पुलिस अधिकारी को उनके प्रदर्शन के लिए बधाई देगा। ट्रेनों में सफर करने वाले यात्रियों के सामान को लेकर रेलवे पुलिस चिंतित है। रेलवे पुलिस बहुत अच्छा काम कर रही है।

रेलवे पुलिस यात्री प्रबंधन और भीड़भाड़, वाहनों के प्रबंधन जैसे मामलों पर काम करती है। रेलवे पुलिस के जवानों को सभी भाषाएं बोलने वाले लोगों से बात करनी पड़ती है, जिससे पुलिस परेशान रहती है। भीड़ में गुम हुए बच्चे का दर्द पुलिस समझ सकती है। रेलवे पुलिस ने 210 बच्चों को ढूंढकर उनके परिवार वालों को उपहार दिया है। जब रेलवे पुलिस बच्चों को उनके परिवार से मिलाती है तो इससे ज्यादा खुशी किसी को नहीं हो सकती। रेलवे पुलिस ने चौदह वर्ष से कम उम्र के 139 बच्चों को उनके परिवारों से मिलाने का भी काम किया है।

गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि नशा मुक्ति एक अभियान नहीं बल्कि एक लड़ाई है, जिसमें रेलवे पुलिस ने भी अच्छा काम किया है। रेलवे पुलिस ने 13 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार कर 188 किलो गांजा बरामद कर उत्कृष्ट कार्य किया है। सूरत से हर दिन 341 ट्रेनें निकलती हैं, जिसमें ढाई लाख यात्रियों की भीडभाड होती है। ऐसे में रेलवे पुलिस बहुत अच्छा काम कर रही है।

आगे गृह मंत्री ने कहा कि आज परिवार आवास में रहने जा रहे हैं, इन आवासों को सरकारी आवास न समझें, बल्कि अपने सपनों का घर समझें और कुंभ घड़ा लगाएं। बहनों से मेरा अनुरोध है कि यदि आपके पति पान मावा की पिचकारी मारते हैं, तो उन्हे ठीक कर लें। यहां साफ-सफाई रखना

सभी की जिम्मेदारी है। आज मैं सभी से मदद मांगने आया हूं। असामाजिक तत्वों पर नजर रखना पुलिस के साथ-साथ हमारी भी जिम्मेदारी है। अगर कोई युवाओं को बर्बाद करने की कोई गतिविधि कर रहा है तो तुरंत रेलवे पुलिस को सूचना दें या पुलिस न सुने तो मुझे फोन करें। मैं सूरत पुलिस टीम को भी बधाई देता हूं। मेरे सूरत के युवाओं का भविष्य ख़राब होने से बचाने के लिए सूरत पुलिस ने बहुत महत्वपूर्ण काम किया है।

गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि सूरत शहर और राज्य के एक भी नागरिक को ट्रैफिक समस्या का सामना नहीं करना पड़े, इसके लिए एक सिस्टम बनाया गया है। बीजेपी के एक कार्यकर्ता ने संकल्प लिया है और फिर से घर-घर जाकर लोगों से अपील कर रहे हैं कि फुटपाथ पर रहने वाले लोगों से ही खरीदारी करें। सभी को नियमों का पालन करना होगा। दिवाली एक प्रयास है, जो चीजवस्तूघर में उपयोगी नहीं है, उसे दूसरों के लिए उपयोगी बनाने का प्रयास करना चाहिए। भाजपा कार्यकर्ता और राज्य सरकार सड़क पर और छोटे घरों में रहने वाले लोगों की दिवाली को बेहतर बनाने के लिए काम कर रही है। ऐसे लोगों की दिवाली को बेहतर बनाने का प्रयास हम सभी को करना होगा। पुलिस को सुझाव है कि व्यापारियों को बुलाएं और ट्रैफिक न हो ऐसी व्यवस्था करें। सभी लोगों की दिवाली बेहतर हो, यह हम सभी की जिम्मेदारी है। हमारा सूरत शहर दिलदार लोगों का शहर है, इसलिए शहर के हर नागरिक को गरीबों की चिंता करनी चाहिए

मेट्रो ट्रेन परियोजना से लोहा चुराने वाले चार आरोपी पकड़े गए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत :सूरत में मेट्रो प्रोजेक्ट से लोहा चोरी होने की बात सामने आई है। उधना पुलिस ने मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट से लोहा चोरी करने वाले चार आरोपियों को पकड़ा है। ये सारोली इलाके में चल रहे मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट से लोहा चुराते थे और ट्रकों में भरकर बेचते थे। इस बीच उधना पुलिस ने पीछा किया और 7.50 लाख से अधिक का माल जब्त कर लिया है और आगे की जांच कर रही है।

सूरत के अलग-अलग इलाकों में इस वक्त मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट तेजी से चल रहा है। उस समय शिकायत थी कि सारोली इलाके में चल रहे मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट से बड़े पैमाने पर लोहा चोरी हो रहा है। मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट में इस्तेमाल की गई लोहे की छड़ें और एंगल चोरी हो गए जिसकी सरोली थाने में शिकायत दर्ज कराई गई।

मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट से लोहा चोरी करने वाले चार आरोपियों को उधना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार कर लिया। उधना पुलिस ने विजयकुमारसिंह राजपूत, गोकुल रामनारायण कुस्वाह, मनोजकुमार वर्मा और मुस्ताक बुद्ध खां को चोरी के माल के साथ पकड़ा। पुलिस को आरोपियों के पास से एक मेट्रो परियोजना का लोहा और एक ट्रक मिलाकर कुल 7.50 लाख से ज्यादा का कीमती सामान जब्त किया है।

ट्रक में लोहा बेचने की फिराक में पकड़ाए

जानकारी के अनुसार, उधना पुलिस टीम को विशेष सूचना मिली कि एक ट्रक क्रमांक एमपी 39 एच 2764 उधना के गांधीकुटीर, हरिनगर में स्क्रैप की दुकान पर चोरी का लोहा बेचने आई है। तीन लोगों ने मेट्रो ट्रेन परियोजना के चल रहे कार्यों से लोहे की छड़ें और एंगल चोरी कर उन्हें बेचने भंगार कबाडी की दुकान पर आए थे। सूचना के आधार पर पुलिस ने स्क्रैप बेचने आ रहे तीन आरोपियों और खरीदार को ढूंढ निकाला और चारों आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट का चुराया लोहा ट्रक में लदकर कबाडी की दुकान में बेचते समय उधना पुलिस ने पकड़ा

आवारा मवेशियों की वजह से एक और हादसा, बाइक सवार दो भाइयों में से एक की अस्पताल में मौत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में आवारा मवेशियों के कारण हुए हादसे में एक बार फिर एक युवक की जान चली गई है। मिली जानकारी के मुताबिक सूरत के मासमा में रहने वाले मिश्रा परिवार के दो भाई कल बाइक से घर लौट रहे थे। सरोली-मासमा रोड से बाइक से गुजर रहे 22 वर्षीय तुषार मिश्रा और बड़े भाई गौरव मिश्रा का एक्सीडेंट हो गया।

सूरत में आवारा मवेशियों से हादसे में 22 साल के युवक तुषार अवधेश मिश्रा की मौत हो गई। मृतक तुषार मिश्रा डायमंड कंपनी में डायमंड आर्टिस्ट थे परिवार में पिता और दो भाई हैं। तुषार मिश्रा परिवार में छोटा भाई था।

मृतक के मित्र मंडल से मिली जानकारी के अनुसार दोनों भाई काम से एक ही बाईक पर घर लौट रहे थे तभी हादसा हो गया। बाइक सड़क के बीच से गुजरते समय मवेशी से टकरा गई। घटना में घायल हुए दोनों लोगों को इलाज के लिए सूरत न्यू सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां गंभीर रूप से घायल तुषार की कुछ देर के इलाज के बाद मौत हो गई। जबकि गौरव के हाथ में फ्रैक्चर होने के कारण फिलहाल उसका इलाज चल रहा है। तुषार की अभी शादी हुई थी जिसकी मौत से परिवार में शोक का माहौल है।

सूरत टेक्सटाइल पैकेजिंग एसोसिएसन (एसटीपीए) का दीवाली स्नेहमिलन एवं सर्टिफिकेट वितरण कार्यक्रम आयोजित

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नई कार्यकारिणी में अध्यक्ष विनोद छाजेड़, उपाध्यक्ष गोपाल पेड़ीवाल, महामंत्री ओमप्रकाश गोयल, मंत्री विजय जैन, कोषाध्यक्ष नरेन्द्र अग्रवाल निर्विरोध घोषित

सूरत के खटोदरा कम्युनिटी हॉल में सूरत टेक्सटाइल पैकेजिंग एसोसिएसन (एसटीपीए) के सदस्यों का दीवाली स्नेहमिलन व सर्टिफिकेट वितरण कार्यक्रम रविवार दोपहर को 12 बजे

हुआ।

इस कार्यक्रम में फोस्टा के चैयरमेन कैलाश हाकिम, फोस्टा के पूर्व महामंत्री चंपालाल बोथरा, फोस्टा के डायरेक्टर व म्युनिसिपल कोर्पोरेशन को ओर्डिनेटर कमेटी के जगदीश कोठारी, एडवोकेट रूसिन रायका, साउथ गुजरात प्लास्टिक मैन्युफैक्चर एसोसिएसन के अध्यक्ष किशोर वाघानी, साउथ गुजरात प्लास्टिक मैन्युफैक्चर एसोसिएसन के सेक्रेटरी देवांग चाहवाला उपिस्थित रहे ।

कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना से की गए एसटीपीए के अध्यक्ष कन्हैयालाल सांड ने स्वागत भाषण देते हुए सभी को एकजुट होने पर जोर दिया। आये हुए सभी मेहमानों का एसोसिएसन की ओर से साफा व दुपट्टा पहना कर स्वागत किया गया। एसटीपीए के सेक्रेटरी ओमप्रकाश गोयल ने एसोसिएसन का परिचय व गठन से लेकर आज तक के हुए कार्य के बारे सदस्यों को अवगत कराया

। आज के इस कार्यक्रम में आए अतिथि कैलाश हाकिम ने कहा कि संगठन को मजबूत बनाये एवं छोटे से छोटे व्यापारियों को भी इसमे जोड़े। संगठन का समय पर चुनाव हो व सर्वप्रथम सर्वसम्मति से चयन हो तो सबसे बेहतर होता है। चम्पालाल बोथरा ने सभी को एकजुट व ज्यादा से ज्यादा सदस्यों को जोड़े ओर संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान किया। जगदीश कोठारी ने कहा कि एशिया की सबसे बड़ी कपड़ा मंडी सूरत जिसमे पैकिंग मटेरियल का अहम रोल होता है। जैसे रूप के साथ श्रृंगार होने पर ही सुंदरता झलकती है कहते हुए अपने विचार रखे। किशोर भाई वाघानी, व अमित भाई जैन ने भी अपने अपने विचार रखे। आए हुए अतिथियों ने सूरत टेक्सटाइल पैकेजिंग एसोसिएसन के सदस्यों को सर्टिफिकेट भी वितरण किये।

आज के इस कार्यक्रम में एसटीपीए की नई कार्यकारिणी का भी गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष के पद पर विनोद छाजेड़,उपाध्यक्ष पद पर गोपाल पेड़ीवाल, महामंत्री पद के लिए ओमप्रकाश गोयल,

मंत्री पद पर विजय जैन, कोषाध्यक्ष नरेंद्र अग्रवाल को सर्व सम्मति से निर्विरोध घोषित किया गया। पूर्व अध्यक्ष कन्हैयालालजी सांड को संरक्षक् बनाया गया।

मंच का संचालन विजय जैनओर विनय जैन की टीम ने किया।

नवी सिविल में कैंसर सेंटर के पास रात में सेविका से छेड़छाड़ की शिकायत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

नवी सिविल से प्राप्त विवरण के अनुसार, मानदरवाजा क्षेत्र में रहने वाली 36 वर्षीय शबीनाबेन (बदला हुआ नाम) नवी सिविल में नौकर के रूप में काम करती है। हालाँकि, शरीर के सभी हिस्सों में दर्द के कारण आज सुबह उन्हें नवी सिविल के आपातकालीन विभाग में भर्ती कराया गया। वहां महिला ने डॉक्टर समेत लोगों को बताया कि नया सिविलियन शुक्रवार की रात आठ बजे ड्यूटी पूरी कर घर के लिए निकला था. तभी नसरीन नाम की महिला ने उसे फोन कर सिविल कैंपस स्थित लायंस कैंसर सेंटर में बुलाया। इसलिए जब वह कैंसर सेंटर पहुंचा तो वहां नसरीन और एक अन्य महिला तथा दो-चार पुरुष पहले से ही मौजूद थे. वहां पहुंचते ही ये दोनों महिलाएं आपस में गाली-गलौज और मारपीट करने लगीं.

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-987914180 या फोटा,वीडियो हमें भेजे